दैनिक
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com रांची, 17 अप्रैल, गुरुवार, 2020 वैशाख, कृष्ण, नवमी विक्रम संवत-2076, वर्ष-04, अंक-65 पृष्ठ-12, मूल्य-3.00 रांची (झारखंड), बिलासपुर-रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं भोपाल (मध्यप्रदेश) से एक साथ प्रकाशित

हमें 20 दिनों से नहीं मिला है खाना

400 से अधिक परिवार के लोगों ने 3 घंटे तक किया सड़क जाम

कोलकाता। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए लॉकडाउन की तारीख तीन मई तक के लिए बढ़ा दी गई है। बंद के कारण सबसे ज्यादा परेशानी दिहाड़ी मजदूरों और गरीबों को हो रही है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के डोमकल नगर पालिका क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने 20 दिनों से खाना नहीं मिलने का आरोप लगाया है। उन्होंने बुधवार को सुबह तीन घंटे के लिए एक स्टेट हाईवे को जाम कर दिया और प्रदर्शन किया। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि बंगाल में भोजन की कोई कमी नहीं है। गरीबों को मुफ्त में राशन दिया जा रहा था।

बेरहामपुर-डोमकल राज्य राजमार्ग पर प्रदर्शन करने वालों में 400 से अधिक परिवार की महिलाएं और बच्चे शामिल थे। अधिकांश आंदोलनकारियों ने मास्क भी नहीं पहने थे।

आंदोलनकारियों ने स्थानीय प्रशासन के हस्तक्षेप करने पर पदर्शन खत्म किया। डोमकल नगर पालिका के अध्यक्ष ने मौके पर पहुंचकर इस बात को स्वीकार किया कि राशन डीलरों ने गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) खंड में खाद्य आपूर्ति का कोटा नहीं बढ़ाया था। प्रत्येक राशन कार्ड धारक को एक महीने में पांच किलो चावल और पांच किलो आटा मिलना चाहिए।

खाद्य और आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रियो मल्लिक ने कहा था, बंगाल में चावल की कोई कमी नहीं है। हमारे पास स्टॉक में 9.45 लाख मीट्रिक टन और अन्य चार लाख मीट्रिक टन चावल मिलों में स्टोर हैं। हमारे पास अगस्त तक लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त चावल है। हमारी सरकार भारतीय खाद्य निगम से चावल नहीं खरीदती है। हम किसानों से सीधे खरीदते हैं। मंत्री ने कहा था कि प्रशासन ने कुछ राशन डीलरों पर दुकानें नहीं खोलने या लोगों को पूरा कोटा नहीं देने के कारण कार्रवाई भी की है।

डोमकल नगरपालिका के वार्ड नंबर 10 के निवासी महादेव दास ने कहा, हमारे क्षेत्र के राशन डीलर दुलाल साहा ने पिछले दो सप्ताह में मुट्ठी भर परिवारों को एक किलो चावल दिया। यह 4-5 सदस्यों के परिवार को खिलाने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि इस इलाके के अधिकांश लोग पश्चिम बंगाल और दूसरे राज्यों में दिहाड़ी मजदूर का काम करते हैं। लॉकडाउन के कारण हमरी रोजी-रोटी छिन गई है। हमें कहा गया है कि केंद्र और राज्य सरकार गरीबों के लिए फ्री में खाना दे रही है।

स्वास्थ्य कर्मियों और कोरोना योद्धा को सुरक्षा दें: मुख्यमंत्री

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सभी उपायुक्त और एसपी को स्वास्थ्य कर्मियों और कोरोना योद्धा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आदेश दिया है। कहा कि ये कोरोना के खिलाफ जंग में पहली पंक्ति के योद्धा हैं। सीएम ने कोविड-19 संकट को कम करने में इनकी मजबूत भूमिका को दृढ़ता से स्वीकार किया।

कहा कि इनका कहीं भी उत्पीड़न न हो और न ही इन्हें किसी प्रकार की धमकी का सामना करना पड़े। मुख्यमंत्री ने यह आदेश रामगढ़ में कोरोना वायरस को लेकर सर्वे के लिए गई सहिया को धमकी दिए जाने की शिकायत मिलने के बाद दिया है। साथ ही उन्होंने रामगढ़ उपायुक्त और पुलिस-प्रशासन को संबंधित मामले में जांच कर

सीआरपीएफ की तैनाती का प्रस्ताव

रांची। कोरोना वायरस संक्रमण न फैले इसके लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा सख्ती की जाएगी। रांची के हिंदपीढ़ी इलाके में लगातार विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन हो रही है, ऐसे में सीआरपीएफ की तैनाती का प्रस्ताव तैयार किया गया है। रांची पुलिस ने सीआरपीएफ की दो कंपनियों की तैनाती हिंदपीढ़ी इलाके में कराने का प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय को भेजा है। मुख्यालय की सहमति के बाद सीआरपीएफ की तैनाती हिंदपीढ़ी इलाके में हो जाएगी।

गौरतलब है कि हिंदपीढ़ी इलाके में रविवार को कोरोना संक्रमित मरीज मिलने के बाद उन्हें लेने गई पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम पर हमला हो गया था। वहीं सोमवार को भी हिंदपीढ़ी इलाके में बैरिकेडिंग हटाने को लेकर विवाद हो गया था। लगातार विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन होने के कारण सीआरपीएफ की तैनाती की योजना पुलिस ने बनायी है।

ग्रामीण बैंक कर्मियों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 15 लाख रुपये

रांची। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष में 15 लाख रुपये जमा किए गए। यह राशि ग्रामीण बैंक के स्टाफ सदस्यों ने आपस में चंदा कर एकत्रित करके जुटाई। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष सुनील बी झोडे ने बताया कि वैश्विक आपदा कोरोना के खिलाफ जारी इस लड़ाई में झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के स्टाफ भी अपना सहयोग देना चाहते हैं। इसी क्रम में यह राशि एकत्र की गयी। उन्होंने कोरोना के दौरान राज्य सरकार की ओर से लोगों को दी जा रही सहायता की प्रशंसा की। राज्य के ग्रामीण बैंक इस जंग में केंद्र और राज्य सरकार की ओर से दिए गए दिशा-निर्देश के अंतर्गत 445 शाखा और करीब तीन हजार ग्राहक सेवा केंद्र के माध्यम से सामाजिक दूरी का पालन करते हुए बैंक सेवा उपलब्ध करा रहे हैं ।

सोशल मीडिया के लिए पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

रांची। राज्य पुलिस मुख्यालय ने सोशल मीडिया फेसबुक, ट्वीटर व फेसबुक पर कंटेट डालने को लेकर एडवाइजरी जारी की है। पुलिस मुख्यालय के एडवाइजरी में बताया गया है कि सोशल मीडिया पर कोई ऐसा पोस्ट न डालें जिससे धर्म या संप्रदाय के आधार पर भेदभाव उत्पन हो। पुलिस मुख्यालय ने बताया है कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कंटेट डालने से आइपीसी 153 ए, 153 बी, 177, 182, 188, 290, 295 , 295ए और 500 आईपीसी के तहत केस दर्ज किया जाएगा।

फेसबुक या व्हाटसएप ग्रुप के एडमिन को निर्देश दिया गया है कि वह अपने ग्रुप में आपत्तिजनक पोस्ट न करें, यदि कोई सदस्य आपत्तिजनक पोस्ट करे तो इसकी जानकारी तत्काल 100 पर डायल कर दें। इसी तरह आपत्तिजनक कंटेट वाले पोस्ट को रीट्वीट, लाइक या शेयर नहीं करने की गुजारिश भी की गई है।

क्या क्या है निर्देश

व्हाट्सएप या फेसबुक ग्रुप में किसी भी कंटेट को पोस्ट करने के पहले उसके सत्यता की जांच का निर्देश दिया गया है। पुलिस मुख्यालय के एडवाइजरी में बताया गया है कि कोई भी खबर शेयर करने के पहले उसकी लिंक की सत्यता की पड़ताल कर लें। किसी भी धर्म या समुदाय के खिलाफ जाने वाले वीडियो, ऑडियो या तस्वीरों को शेयर करने से बचें। व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिशन को सलाह दी गई है कि जिम्मेदार लोगों को ही अपने ग्रुप में जोड़ें।

ज्यादा संक्रमण वाले 170 जिले हॉट स्पॉट घोषित

207 जिले ऐसे जहां कोरोना फैलने का खतरा ज्यादा: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में अब तक 170 जिलों को हॉट स्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है। यहां कोरोना के ज्यादा मामले हैं। इनकी सूची सभी राज्यों को दी जा चुकी है। इसके अलावा 207 ऐसे भी जिले हैं, जहां संक्रमण फैलने का खतरा ज्यादा है। इन जिलों पर मंत्रालय और डॉक्टरों की टीम का पूरा फोकस है। मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि जो जिले हॉट स्पॉट के दायरे में नहीं आते हैं, वहां 20 अप्रैल से लॉकडाउन में कुछ रियायतें दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि छूट के बावजूद लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना होगा। अगर कहीं से नियमों के तोड़ने की खबर आएगी तो उन्हें दी हुई रियायतें तुरंत वापस ले ली जाएंगी।

देश के 400 जिले कोरोना फ्री जोन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि भारत में ऐसे करीब 400 जिले हैं जहां पर कोरोना संक्रमण का एक भी केस नहीं आया। ये कोरोना फ्री जिले हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ जारी लड़ाई में अगले 2-3 हफ्ते काफी महत्वपूर्ण रहने वाले हैं।

जिलों की संक्रमण के हिसाब से ग्रेडिंग की गई

लव अग्रवाल ने बताया कि देश के सभी जिलों को तीन हिस्सों में बांटा गया है। जहां कोरोना के मामले बहुत ज्यादा हैं, उन्हें हॉट स्पॉट घोषित किया गया है।

जिन जिलों में एक भी केस सामने नहीं आए हैं, उन्हें ग्रीन जोन में रखा गया है। जहां 15 मामले या उससे ज्यादा हैं, उसे क्लस्टर्स माना जा रहा है और ऐसी जगहों को कंटेनमेंट जोन में रखा गया है।

कंटेनमेंट जोन में स्वास्थ्य विभाग की टीम की तरफ से सर्वे कराया जाएगा। यहां रहने वाले सभी लोगों की अब जांच होगी। खांसी, जुकाम, बुखार जैसे मामलों पर स्वास्थ्य विभाग खुद नजर रखेगा।

लव अग्रवाल ने बताया- 20 अप्रैल से कुछ ही गतिविधियों में छूट दी जाएगी। इन इलाकों में रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी सेवाएं और दुकानें शुरू होंगी। किराना और राशन की दुकानें खुल सकेंगी। फल-सब्जी के ठेले, साफ-सफाई का सामान बेचने वाली दुकानें। डेयरी और मिल्क बूथ, पोल्ट्री, मीट, मछली और चारा बेचने वाली दुकानें। इलेक्ट्रीशियन, आईटी रिपेयर्स, प्लंबर, मोटर मैकेनिक, कारपेंटर, कुरियर, डीटीएच और केबल सर्विसेस शुरू की जा सकेंगी। लेकिन, दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूरी होगा।

आईसीएमआर ने कहा कि चीन में हुई खोज में ऐसी बात सामने आई थी कि चमगादड़ों में म्यूटेशन के कारण कोरोनावायरस पनपा है। फिर इससे पैंगोलिन में गया और यहां से वायरस इंसान के अंदर आया। हमने भी इस दावे की पड़ताल की है। दो प्रकार के चमगादड़ों में कोरोनावायरस मिला, लेकिन यह इंसान को नुकसान पहुंचाने के काबिल नहीं था। यह बहुत दुर्लभ है कि 1 हजार साल में वायरस चमगादड़ों से इंसान तक पहुंचता है।

अब तक 1366 लोग ठीक हुए

अग्रवाल ने बताया कि अब तक देश में 1366 लोग ठीक हो चुके हैं। इलाज के स्तर पर काफी काम हो रहा है। ज्यादा से ज्यादा चिकित्सीय सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। सभी राज्यों को आदेश दिया गया है कि वह कोविड डेडिकेटेड अस्पतालों को ज्यादा से ज्यादा तैयार करें। देशभर में सांस संबंधी जितने भी मरीज हैं सबकी जांच होगी और उनका इलाज कराया जाएगा।

झारखंड वासी सरकार पर भरोसा रखें, जनता की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता: हेमन्त

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को आग्रह किया कि राज्यवासी सरकार पर पूर्ण भरोसा रखें क्योंकि उनकी सुरक्षा राज्य सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि आप अपने सरकार पर पूरा भरोसा रखें। अफवाहों पर कदापि ध्यान ना दें। ऐसी आपदा इससे पूर्व हम में से किसी ने नहीं देखी है। बावजूद वर्तमान सरकार पूरी मुस्तैदी से राज्य के लोगों को सुरक्षित रखने हेतु हर जरूरी कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि झारखंड में पांच हजार से अधिक दीदी किचन, थानों में संचालित रसोई, दाल भात योजना और स्वंय सेवी संस्थाओं के माध्यम से जरूरतमंद पर्याप्त भोजन ग्रहण कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के बाहर लॉकडाउन में फंसे हर झारखंड वासी तक आवश्यक मदद पहुंचाई जा रही है। राज्य भर में लाखों लोगों को निःशुल्क भोजन मिल रहा है। विभिन्न राज्यों में फंसे करीब सात लाख लोगों को भी निःशुल्क सूखा राशन एवं गर्म खाना भोजन उपलब्ध कराने की कोशिश जारी है।

मुख्यमंत्री सोरेन ने मंत्रालय जाने के क्रम में एकाएक विधानसभा की पुरानी इमारत के नजदीक शहीद मैदान की ओर अपने वाहन को ले जाने का आदेश दिया और मैदान में कतारबद्ध खाना खा रहे गरीब व असहाय लोगों के बीच पहुंचे। सोरेन ने उनसे उनका हाल जाना और कहा, मुझे मालूम है परेशानी हो रही है लेकिन आपकी सुरक्षा के लिए यह जरूरी है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि राज्य में कोई भी भूखा नहीं रहेगा।

आईपीएल अनिश्चितकाल के लिए टला

नई दिल्ली। देश में लॉकडाउन 3 मई तक बढ़ा दिए जाने की वजह से आईपीएल अनिश्चितकाल के लिए टल गया है। बीसीसीआई ने बुधवार को यह जानकारी दी। बोर्ड ने अभी यह नहीं बताया है कि अब आईपीएल का शेड्यूल क्या होगा। हालांकि, मौजूदा हालात और इंटरनेशनल शेड्यूल के चलते इसका दिसंबर के पहले होना मुश्किल लग रहा है। जून से सितंबर तक मानसून सीजन रहता है। इस दौरान भारत को श्रीलंका और जिम्बाब्वे में सीरीज भी खेलनी है। अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप भी खेला जाना है। इसके बाद अन्य टीमों की आपसी सीरीज का कैलेंडर भी तय रहता है। इस शेड्यूल के बीच ही बीसीसीआई को आईपीएल के लिए खाली तारीखें तलाशनी होंगी। ऐसा होता है तो भी दिसंबर के पहले आईपीएल होना संभव नहीं लग रहा है।

इस बार आईपीएल 50 दिन की बजाए 44 दिन का होना था। सभी 8 टीमों को 9 शहरों में 14-14 मैच खेलने हैं। इनके अलावा 2 सेमीफाइनल, 1 नॉकआउट और 24 मई को वानखेड़े में फाइनल होना था, लेकिन बीसीसीआई अब इसका फॉर्मेट और छोटा करके 2009 की तरह 37 दिन का कर सकती है। 2009 में लोकसभा चुनाव के कारण आईपीएल दक्षिण अफ्रीका में खेला गया था। यह पांच सप्ताह और दो दिन के अंदर खत्म हो गया था। सितंबर में यूएई में एशिया कप टी-20 खेला जाना है। इसके बाद अक्टूबर 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप भी खेला जाना है। हालांकि, एशिया कप और वर्ल्ड कप को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है। एशिया कप टलने की संभावना है। बीसीसीआई इन शेड्यूल को ध्यान में रखकर आईपीएल का कार्यक्रम तैयार कर सकता है। बोर्ड सूत्रों की मानें तो एशिया कप और वर्ल्ड कप होने की स्थिति में आईपीएल की संभावना नवंबर के आखिर से पूरे दिसंबर तक हो सकती है।

आरोग्य सेतु ऐप 13 दिन में 5 करोड़ लोगों तक पहुंचा

नई दिल्ली। कोरोनावायरस संक्रमितों को ट्रेस करने के लिए बनाए गए आरोग्य सेतु ऐप ने मिसाल कायम की है। नीति आयोग ने बुधवार को बताया कि आरोग्य सेतु ऐप 5 करोड़ डाउनलोड तक पहुंचने वाला दुनिया का सबसे तेज ऐप बन गया है। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने बताया कि केवल 13 दिनों में ही आरोग्य सेतु को 5 करोड़ लोगों ने डाउनलोड कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अप्रैल को राष्ट्र के नाम दिए संदेश में भी देशवासियों से अपील की थी कि वे इस ऐप को डाउनलोड करें।

कोरोनावायरस से लड़ाई के लिए बना आरोग्य सेतु ऐप

अमिताभ कांत ने एक ट्वीट में कहा- 5 करोड़ लोगों तक पहुंचने में टेलीफोन को 75 साल लग गए, रेडियो को 38 साल, टेलीविजन को 13 साल, इंटरनेट को 4 साल, फेसबुक को 19 महीने, पोकेमान ने 19 दिनों में ऐसा किया। कोरनावायरस से लड़ाई के लिए बनाए गए भारत का आरोग्य सेतु ऐप केवल 13 दिनों में 5 करोड़ लोगों तक पहुंच गया। दुनियाभर में ऐसा करने वाला यह सबसे तेज ऐप है।

क्या है आरोग्य सेतु ऐप

आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने वाले व्यक्ति को ऐसे किसी भी शख्स के बारे में तुरंत अलर्ट मिल जाता है, जो उस इलाके में कोरोनावायरस से संक्रमित पाया गया हो। यह भी हो सकता है कि संक्रमित व्यक्ति ऐप डाउनलोड करने वाले शख्स का परिचित हो। जिला प्रशासन ने भी सभी शैक्षणिक संस्थानों और विभागों से यह ऐप डाउनलोड करने की अपील की है। यह ऐप प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा गठित कमेटी ने विकसित की है और इसमें नीति आयोग और सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय का भी इसमें एक्टिव पार्टिसिपेशन है।

आईएएस ऑफिसर ने बनाया को-बोट कोरोना मरीजों को देगा दवा-पानी

चाईबासा। कोरोना अस्पतालों में अब मरीजों को भोजन, पानी और दवा के लिए स्वाथ्यकर्मियों को नहीं जाना होगा, बल्कि इनके पास **को-बोट** खुद पहुंचकर इन्हें इनके जरूरी सामानों की आपूर्ति कर देगा। को-बोट रिमोट से संचालित रोबोटिक उपकरण है, जिस पर 30 किलोग्राम वजन रखा जा सकेगा। इनोवेशन के लिए चर्चित पश्चिमी सिंहभूम के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) आदित्य रंजन ने कोविड-19 से लड़ाई में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए देश का पहला रोबोटिक्स उपकरण को-बोट को तैयार किया है। इसके अलावे उन्होंने हाईटेक आइसोलेशन बेड भी तैयार किया है। हाईटेक इंडिविजुअल आइसोलेशन बेड अपने आप में एक कमरे के समान है, जिससे किसी चिकित्साकर्मी को मरीज से और मरीजों को एक दूसरे से संक्रमण नहीं होगा।

डीडीसी ने इन दोनों नवाचारों की तैयारी अपने आवास के गैराज में तैयार किया है, जिसमें उन्होंने कई इंजीनियरों की भी मदद ली थी। डीडीसी आदित्य रंजन ने बताया कि को-बोट रिमोट से संचालित रोबोटिक उपकरण है जिसे बिना किसी मानवीय प्रयास के मरीज तक पहुंचाया जा सकता है। बिना मानवीय हस्तक्षेप के को-बोट मरीजों को आवश्यकता के सामान पहुंचा सकेगा। उन्होंने बताया कि को-बोट देश में अपनी तरह का प्रथम इनोवेटिव प्रयोग है जो कि चिकित्सकों एवं चिकित्साकर्मियों के स्वास्थ्य हित और कोरोना संक्रमण से बचाव को देखते हुए अत्यंत उपयोगी उपकरण है।

पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त अरवा राजकमल ने डीडीसी की उपस्थिति में मंगलवार को को-बोट और आइसोलेशन बेड का लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि फिलहाल 50 ऐसे बेड जिले के दो अस्पतालों में लगाए गए हैं।

मरीज से डॉक्टर में संक्रमण को रोकने में होगा कारगर

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी आदित्य रंजन ने कहा कि कोविड-19 से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए हाईटेक आइसोलेशन बेड अथवा आई-बेड अपने-आप में पूरी तरह से ढके हुए हैं, जिससे कि एक मरीज से दूसरे मरीज तक और मरीज से चिकित्सा कर्मियों तक संक्रमण को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि आई बेड का कॉन्सेप्ट यह है कि प्रत्येक बेड में मरीज का दूसरे से संपर्क पूरी तरह से विच्छेदित होगा। पीड़ित व्यक्ति को आई-बेड में ही रखा जाएगा, जिससे कि संक्रमण के फैलने का खतरा न्यूनतम किया जा सके।

उन्होंने कहा फिलहाल, सदर अस्पताल और रेलवे अस्पताल, चक्रधरपुर में इसकी शुरुआत की गई है। रंजन कहते हैं कि रोबोटिक्स उपकरण को-बोट रिमोट कंट्रोल से संचालित है। पूरी तरह से स्वचालित कोबोट से भोजन, दवाई, पानी इत्यादि पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। इसकी कैरींग कैपेसिटी 30 किलोग्राम और रेंज 200 फीट की है।

वीडियो देखकर आया बनाने का आइडिया

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि चिकित्साकर्मियों को संक्रमण से बचाने के लिए यह अत्यंत लाभकारी साबित होगा। को-बोट वाईफाई कैमरा से युक्त है और इसमें इंस्ट्रक्शन देने के लिए स्पीकर भी लगाया गया है। यह पूरी तरह से वाटरप्रूफ है जिससे कि मरीजों के पास आपूर्ति करने के बाद इसे पूरी तरह से सेनिटाइज भी किया जा सके।

आदित्य रंजन ने बीआईटी मेसरा से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। बोकारो में जन्मे और एक सरकारी स्कूल से प्राथमिक शिक्षा ग्रहण करने वाले रंजन कहते हैं कि विदेशों के अस्पतालों के कई वीडियो देखकर ऐसा कुछ करने का आईडिया मन में आया। डीडीसी ने इससे पहले कोरोना वायरस सैंपल कलेक्शन सेंटर और फेस शील्ड भी बना चुके हैं, जिसका लाभ स्वास्थकर्मियों को मिल रहा है।

राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या 27 से 28 हुई, हिंदपीढ़ी से मिला एक और संक्रमित

99,507 लोगों को होम क्वारैंटाइन किया गया

रांची। राजधानी के हिंदपीढ़ी इलाके में एक और मरीज में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। रिम्स निदेशक डॉक्टर डीके सिंह ने बुधवार देर शाम इसकी पुष्टि की। नया मरीज मिलने के बाद राज्य में अब कोरोना पॉजिटिव केस की संख्या 28 हो गई है। सबसे ज्यादा 14 संक्रमित मरीज रांची के हिंदपीढ़ी में पाए गए हैं। इसके बावजूद लोग लापरवाही कर रहे हैं। लॉकडाउन 2.0 के पहले दिन बुधवार को न तो लोगों में कोरोना का खौफ दिखा और न ही प्रशासन का डर। वे लगातार सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करते दिखे। बाजारों, सड़कों और मोहल्लों में लोगों की भीड़ जुटती दिखी। राजधानी के अलावा राज्य के अन्य जिलों का लगभग यही हाल है। हालांकि, कुछ इलाकों में पुलिस की सख्ती और जागरूकता के चलते लोग घरों में रह रहे हैं।

पुलिस किसी दबाव में नहीं है। कानून तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। पुलिस किसी भी कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है। अब लॉकडाउन के दौरान पुलिस और सख्ती से पेश आएगीः **एमवी राव**

स्वास्थ्य विभाग के रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक राज्य में 2,785 लोगों का कोविड-19 टेस्ट लिया गया। इनमें 28 पॉजिटिव पाए गये जबकि 2,251 लोगों का टेस्ट निगेटिव आया। 506 लोगों के टेस्ट का रिजल्ट आना बाकी है। पॉजिटिव पाए गए लोगों मे 9 बोकारो, 2 हजारीबाग, 1 गिरिडीह, 1 कोडरमा, 1 सिमडेगा और 14 रांची से हैं। संदिग्ध मरीजों के लिए राज्य में 3,903 क्वारैंटाइन सेंटर तैयार किए गए हैं। इनमें 10,582 लोगों को क्वारैंटाइन किया गया है जबकि 99,507 लोग होम क्वारैंटाइन में हैं। अभी तक 85,969 लोगों ने अपनी क्वारैंटाइन अवधि पूरी कर ली है।

सिमडेगा के ठेठईटांगर में 17 साल के लड़के में कोरोना संक्रमण मिलने के बाद उसके घर के साथ आसपास के तीन किलोमीटर के दायरे को सील कर दिया गया है। वह दो अन्य युवकों के साथ रांची के हिंदपीढ़ी आया था। यहां से चान्हो के पास बलसोकरा में आयोजित जमात में भाग लेकर 30 मार्च को घर लौटा था। बलसोकरा के मौलानाओं ने इन युवकों के हिंदपीढ़ी जाने की पुष्टि की है। 3 अप्रैल को इन तीनों को खैरनटोली के क्वारैंटाइन सेंटर में लाया गया। 11 अप्रैल को तीनों का सैंपल जांच के लिए भेजा गया। अब खैरनटोली क्वारैंटाइन सेंटर में इनके साथ रहे 27 लोगों की जांच की जाएगी।

कोरोना से मौत पर आश्रितों को मिलेंगे चार लाख रुपए

झारखंड में कोरोना से मौत होने पर मृतक के आश्रितों को सरकार चार लाख रुपए का मुआवजा देगी। आपदा प्रबंधन विभाग ने इस आशय का प्रस्ताव तैयार कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेजा है। मुख्यमंत्री की स्वीकृति मिलने के बाद इसे केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। क्योंकि, यह राशि केंद्र से आपदा मद में मिलने वाली राशि से झारखंड आपदा मोचन निधि से दिए जाने का प्रस्ताव है।

हिंदपीढ़ी में लोगों की सुविधा के लिए मोबाइल एटीएम लगा

हिंदपीढ़ी में बड़ी संख्या में कोरोना मरीजों के सामने आने के बाद लोगों के घरों से बाहर निकलने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। लोगों की सुविधा के लिए मोबाइल एटीएम की व्यवस्था की गई। इसके अलावा लॉकडाउन का पालन कराने के लिए पुलिस ने बुधवार को 30 से अधिक पीसीआर में सवार होकर गलियों में मार्च किया।

झारखंड प्रदेश में 18 से 20,000 मंदिर है, इस लोकडाउन मे पुजारीयो पर किसी का ध्यान नही

रांची। विश्व ब्राह्मण संघ झारखंड प्रदेश के ब्राह्मण भाइयों के लिए राज्य सरकार हो, केंद्र सरकार हो, इन से आग्रह करती है कि वैश्विक महामारी में सरकार के सहयोग के लिए, समाज से जुड़े, समाज को दिशा दिखाने वाले ,और देश के हिंदू संस्कृति के वाहक ! समाज को जोड़ने वाले एवं राष्ट्र के धर्मगुरु के प्रति उत्तरदाई होकर, सरकार के समर्थन में अपना मंदिर, व्यवसाय, बंद करके भुखमरी के कगार पर आ गए हैं। यह मध्यमवर्गीय समाज परिवार से आते हैं किसी से मांग भी नहीं सकते। सरकार के सहयोग से वंचित हैं ऐसे दौर में सरकार इनको सहयोग करें, राशन देकर, कार्ड बनाकर ,सफेद कार्ड बनाए, इनके खातों में धन देकर, जो भी व्यवस्था हो सके सरकार की ओर से राज्य सरकार और केंद्र सरकार की ओर से वहीं के लिए करें मंदिर बंद होने के बाद भी लोगों को जागृति दे रहे हैं करोना के नाश के लिए अध्यात्मिक चिंतन, ध्यान, जप, हवन से पर्यावरण को अक्षा दित कर दैवीय कार्य में लगे है। झारखंड प्रदेश में करीब 18 से 20,000 मंदिर हैं। मंदिरों के ब्राह्मण पुजारी, और कर्मकांड ,पूजा पाठ कराने वाले ब्राह्मण ,और इन पर आश्रित परिवार की संख्या करीब झारखंड प्रदेश में 8 लाख के आसपास है इनके सामने बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई है अपना अस्तित्व खोने का इसका ध्यान सरकार रखें। समाज में बहुत सारी संस्थाएं गरीब असहाय लोगों की सेवा में लगी है साथ ही सरकार भी प्रबंध कर रही है पर मध्यमवर्गीय ब्राह्मणों के तरफ किसी का ध्यान नहीं गया ब्राह्मण स्वाभिमानी होते हैं हरी का सेवा करते हैं राज्य के राजा को इनकी ओर ध्यान देना चाहिए ताकि इनके परिवार का भी भरण-पोषण हो सके विश्व ब्राह्मण संघ यह मांग करती है सरकार से इनके परिवारों पर भी आप ध्यान दें और जो भी आपसे बन सके इनके लिए उचित व्यवस्था करें।

लॉकडाउन का उल्लंघन करनेवाले भाजपा सांसदों पर कार्रवाई होः झामुमो

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने दिल्ली से झारखंड आनेवाले भाजपा सांसद संजय सेठ और पीएन सिंह पर लॉकडाउन के उल्लंघन का आरोप लगाया है। झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि एक जिम्मेदार नागरिक होने के कारण उन्हें जहां कानून का पालन करना चाहिए, उन्होंने खुद कानून का उल्लंघन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी चाहिए कि वे इन दोनों सांसदों के विरुद्ध कार्रवाई करें। सप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि दिल्ली से सड़क मार्ग से आते समय उन्हें यूपी, बिहार की सीमा में घुसने कैसे दिया गया। एक ओर झारखंड-बिहार के लाखों लोग दूसरे राज्य में लॉक डाउन के कारण फंसे हैं, दूसरी ओर इन्हें कानून के उल्लंघन करने का छूट दिया गया। सप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि अगर अंधेरे का लाभ उठाकर ये झारखंड आ भी गए तो एक जिम्मेवार नागरिक के रूप में उन्हें अस्पताल जाना चाहिए। अपना टेस्ट कराना चाहिए था।

दूसरे राज्यों में फंसे प्रवासी मजदूरों से लगातार संपर्क करने की हो रही कोशिशः रामेश्वर उरांव

रांची। मंत्रिमंडलीय उपसमिति के सीनियर मेंबर और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डा. रामेश्वर उरांव ने कहा कि लॉकडाउन लागू होने के बाद हेल्पलाइन के माध्यम से दूसरे राज्यों में फंसे राज्य के प्रवासी मजदूरों से लगातार संपर्क स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। दूसरे राज्यों में फंसे ऐसे प्रवासी मजदूरों की संख्या करीब आठ लाख है। अभी इनकी गिनती की जा रही है और उनके बैंक खाता नंबर को लिया जा रहा है ताकि डीबीटी के माध्यम से उन्हें मदद राशि पहुंचाने में कोई दिक्कत न हो। बुधवार को प्रदेश कांग्रेस राहत निगरानी समिति (कोविड-19) की बैठक के बाद मीडिया से बात कर रहे थे।

डॉक्टर उरांव ने कहा कि अब मंत्रिमंडलीय उपसमिति को यह तय करना है कि बाहर में फंसे मजदूरों के लिए भोजन की व्यवस्था वहीं की सरकार के माध्यम से हो या फिर राज्य सरकार के माध्यम से भोजन की व्यवस्था हो, तो इसके लिए खर्च का वहन कैसे किया जाए। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन के बाद लाखों लोग आएंगे, उन्हें क्वारैंटाइन सेंटरों पर रखने और खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध कराने में भी बड़ी राशि खर्च होगी।

ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार से यह आग्रह किया जा रहा है कि मुश्किल में फंसे लोगों की मदद के लिए झारखंड जैसे पिछड़े राज्यों को विशेष आर्थिक सहयोग मुहैया कराएं। उन्होंने कोविड-19 को लेकर राज्य सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बुधवार को प्रारंभिक बैठक हुई। 16 अप्रैल को सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव और विभागीय प्रमुखों के साथ बैठक होगी।

उन्होंने कहा कि लॉकडाउन भी बिना विचार-विमर्श के ही पूरे देश में लागू कर दिया गया। इस फैसले को लागू करने के पहले संबंधित राज्यों और कंपनियों से बातचीत करनी चाहिए थी कि लॉकडाउन की अवधि में मुश्किल में फंसे लोगों को वहीं राहत एवं मदद पहुंचायी जा सके। इसके पूर्व झारखंड प्रदेश कांग्रेस राहत निगरानी (कोविड-19) समिति द्वारा रांची के अलावा राज्य के विभिन्न जिलों समेत देशभर के कई हिस्सों में फंसे लोगों को तत्काल राहत उपलब्ध कराया गया।

सर्वे करने पहुंची महिला के साथ बदतमीजी, मुख्यमंत्री ने कार्रवाई का दिया निर्देश

रामगढ़। रामगढ़. जिले में कोविड-19 संबंध सर्वे करने पहुंची स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला से बदतमीजी का मामला सामने आया है। जानकारी के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रागढ़ के उपायुक्त और रामगढ़ पुलिस को कार्रवाई का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने राज्य के सभी उपायुक्त और एसपी को कहा है कि ये सुनिश्चित करें कि हमारे फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ता और कोरोना वॉरियर्स को किसी भी उत्पीड़न और धमकी का सामना न करना पड़े।

ट्वीट के जरिए मुख्यमंत्री को दी गई जानकारी

एक ट्वीट के जरिए बुधवार को मामले की पूरी जानकारी दी गई। एक वीडियो ट्वीट कर लिखा गया कि रामगढ़ में महिलाकर्मी के साथ लोगों ने बदतमीजी की। महिलाएं कोविड-19 का सर्वे करने निकली थी। स्थानीय लोगों ने इनके साथ दुर्व्यवहार किया और सर्वे करने नहीं दिया। जबरन महिलाओं के गले में लटके आईडी कार्ड को छू रहे थे जिसका भी विरोध किया गया।

वहीं 52 सेकंड के वीडियो में एक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता बता रही है कि वो रामगढ़ में सर्वे करने गई थी। महिला ने कहा कि वे जैसे ही सर्वे करने पहुंची तो एक मकान से युवक निकला और कहा कि यहां सर्वे नहीं करना है। हम भूखे मर रहे हैं, खाना का सर्वे करना है तो ठीक है। इस दौरान दूसरी महिला नाम, पता आदि पूछ रही थी इस दौरान नाम सुनने में गलती हुई तो दोबारा पूछा, फिर मकान मालिक ने कहा कि लिखने नहीं आता, सर्वे करने आई हो। फिर महिला के गले में लटके आईडी कार्ड को छूने की कोशिश की। इस दौरान महिला ने दूरी पर रहने को कहा।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने डीसी रामगढ़ और रामगढ़ पुलिस से कहा कि कृपया इस मामले को देखें। सभी डीसी और एसपी, कृपया सुनिश्चित करें कि हमारे फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ता और कोरोना वॉरियर्स किसी भी उत्पीड़न और धमकी का सामना न करें। हम कोविड-19 संकट को कम करने में उनकी मजबूत भूमिका को दृढ़ता से स्वीकार करते हैं।

मुख्यमंत्री ने गरीबों के बीच वितरित भोजन का किया निरीक्षण

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को धुर्वा स्थित पुराने विधानसभा भवन के पास स्थित शहीद मैदान में एक संस्था द्वारा गरीबों के बीच वितरित किये जा रहे भोजन का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–19 के खिलाफ यह सामुहिक लड़ाई है, हम मिलकर अपने कर्तव्यों का निवर्हन करें।

लॉकडाउन के दौरान अपने बच्चे पर रखें ध्यान

10 साल के बच्चे की आंख में लगा तीर

रांची। बच्चों का कोमल मन वास्तविकता को जल्दी समझ नहीं पाता और वह किसी भी चीज से जल्दी प्रभावित हो जाता है और कई बार यह अपने लिए बड़ा जोखिम खड़ा कर देता है। ऐसा ही हुआ लातेहार जिले के महुआटांड इलाके के दस साल के शिवम के साथ जो लॉकडाउन में प्रसारित हो रहे टीवी सीरियल 'रामायण' और 'महाभारत' के किरदारों से प्रभावित होकर तीर-धनुष से खेल रहा था। पिछले शनिवार को शिवम दोस्तों के साथ सरसों के पौधे की लकड़ी से तीर-कमान बना कर उसके साथ खेल रहा था। उसी दौरान दूसरे बच्चे के द्वारा चलाए गए तीर से उसकी आंख में गंभीर चोट लग गई, जिसकी वजह से उसकी आंख क्षतिग्रस्त हो गई।

महुआटांड की सरकारी नेत्र सहायक संजु कुमारी ने डॉक्टर भारती कश्यप से तुरंत संपर्क कर रविवार सुबह उसे एम्बुलेंस की मदद से रांची स्थित आई हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां आयुष्मान योजना के तहत उसका ऑपरेशन किया गया। शिवम के पिता का नाम नंदलाल प्रसाद है और वह दुकानदार हैं।

आंखों के लेंस को हटा कर कोर्निया तथा रेटिना को रिपेयर किया गया

मरीज का ऑपरेशन करने वाली डॉक्टर निधि गडकर कश्यप ने बताया कि क्षतिग्रस्त हुए मोतियाबिंद के रूप में परिवर्तित हुए आंखों के लेंस को हटा कर कोर्निया तथा रेटिना को रिपेयर किया गया है। कुछ दिनों के बाद कृत्रिम लेंस का प्रत्यारोपण किया जाएगा, जिससे शिवम के आंखों की रोशनी फिर से लौटने की उम्मीद है।

तीर-कमान की चोट से कोर्निया और रेटिना हो सकती है क्षतिग्रस्त, बन सकता है मोतियाबिंद

आई हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉक्टर कश्यप ने कहा कि बच्चों को लेकर सजगता बरतने की आवश्यकता है। इस तरह के सीरियल का बच्चों के ऊपर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह का असर पर रहा है। इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि यह परिवारों के भावनात्मक ढांचे को मजबूत करता हैं तथा इसका नकारात्मक पक्ष यह है कि बच्चे इन सीरियलों में तीर-कमान चलाने के दृश्यों को देख कर इसका अनुसरण करने लगते हैं और तीर-कमान से खेलना चालू कर देते हैं।

तीर-कमान की चोट की वजह से पुतली में सुराख हो सकता है। कई बार आंख के लेंस की झिल्ली फट जाती है जिससे सफेद मोतियाबिंद बन जाता है। कई बार इतनी तेजी से तीर लग सकती है कि तीर आंख की पुतली को पार करते हुए परदे को भी चीर देता है। इसके इलाज के लिए बड़े ऑपरेशन की जरुरत पड़ती है। कई बार कॉर्निया के गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने की वजह से कोर्निया प्रत्यारोपण की भी जरूरत पर जाती है। अगर सफेद मोतिया बन जाए तो ऑपरेशन से मोतियाबिंद को निकालकर उसमें लेंस लगाना पड़ता है। थोड़ी सी सावधानी ऐसे हादसों को होने से रोक सकती है।

महुआटांड की सरकारी नेत्र सहायक संजु कुमारी ने डॉक्टर भारती कश्यप से तुरंत संपर्क कर रविवार सुबह उसे एम्बुलेंस की मदद से रांची स्थित आई हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां आयुष्मान योजना के तहत उसका ऑपरेशन किया गया। शिवम के पिता का नाम नंदलाल प्रसाद है और वह दुकानदार हैं।

कुछ दिनों बाद कृत्रिम लेंस का किया जाएगा प्रत्यारोपण, फिर से रोशनी लौटने की उम्मीद

सैनिटाइजर के बोतल में लेवल नहीं लगाया गया है। यह ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट का उल्लंघन है

रांची। रिम्स में संचालित दवाई दोस्त में आज औषधि विभाग की टीम छापेमारी के लिए पहुंची। ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट का उल्लंघन करते हुए यहां बिना लेवल लगाए सैनिटाइजर बेचा जा रहा था। औषधि विभाग की टीम ने दवाई दोस्त के काउंटर और गोदाम में रखे गए सैनिटाइजर,सैनिटाइजर से भरी बोतल,खाली बोतल और 20 लीटर का सैनिटाइजर का जार भी पाया है। ड्रग इंस्पेक्टर प्रतिभा झा ने कहा कि दवाई दोस्त के संचालक से जरूरी कागजात की मांग की गई है। जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि यहां गैरकानूनी तरीके से सैनिटाइजर बेचा जा रहा है। सैनिटाइजर के बोतल में लेवल नहीं लगाया गया है। यह ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट का उल्लंघन है।

आग लगा कर की आत्म हत्या की कोशिश, टाटा स्टील अस्पताल में इलाजरत, हालत नाजुक

नोवामुंडी, आये दिन घर में माँ और पिता के बीच झगडा व मारपीट करने से परेशान होकर मंगलवार की संध्या बसंती तिरिया (17) ने अपने शरीर में किरोसिन तेल उडेल कर आग लगा ली. जब आग धू धू कर जलने लगी,तब वह बचाव के लिए जोर जोर से चिल्लाने लगी. चिल्लाने की आवाज सुनकर उनके पडोसी काफी संख्या में जमा हुए और जलती आग को बुझा ली गई. बसंती का शरीर 50 फीसदी जल गई है. उनके चेहरे,दोनों हाथ,पीठ पुरी तरह झुलस गई है. आनन फानन में बसंती को इलाज हेतु 108 एम्बूलेंस से टाटा स्टील अस्पताल नोवामुंडी लाकर भर्ती कराया गया है. जहाँ उनकी स्थिति नाजुक बतायी गई है. यह घटना नोवामुंडी स्टेशन कॉलौनी की है. जब घटना की सूचना नोवामुंडी पुलिस को मिली,तब पुलिस घटना की तहकीकात करने अस्पताल पहुँची और घटना की पडताल शुरू कर दिया है. खबर के अनुसार, बसंती तिरिया के पिता महती तिरिया एक ठेका कंपनी के यहाँ मजदूरी करते हैं. शाम छह बजे वह काम से छुट्टी होकर घर लौटते हैं,तब उनके पिता महती और उनकी माँ सुमी कुई के बीच रोजाना झगडा फसाद और मारपीट तक हो जाया करती है. इससे बच्ची काफी परेशान करती थी और मंगलवार की संध्या माँ पिता के रोज रोज के झगडे व मार पीट से परेशान व हताश होकर अपनी जीवन लीला ही खत्म करने के लिए शरीर में किरोसिन तेल उडेलकर मचीस से आग लगा ली.

हिंदपीढ़ी इलाके में मीडिया का बहिष्कार गली में लोगों ने बैनर लटकाया

गोदी मीडिया हाय हाय, न्यूज़ अखबार का बहिष्कार, इंट्री नहीं

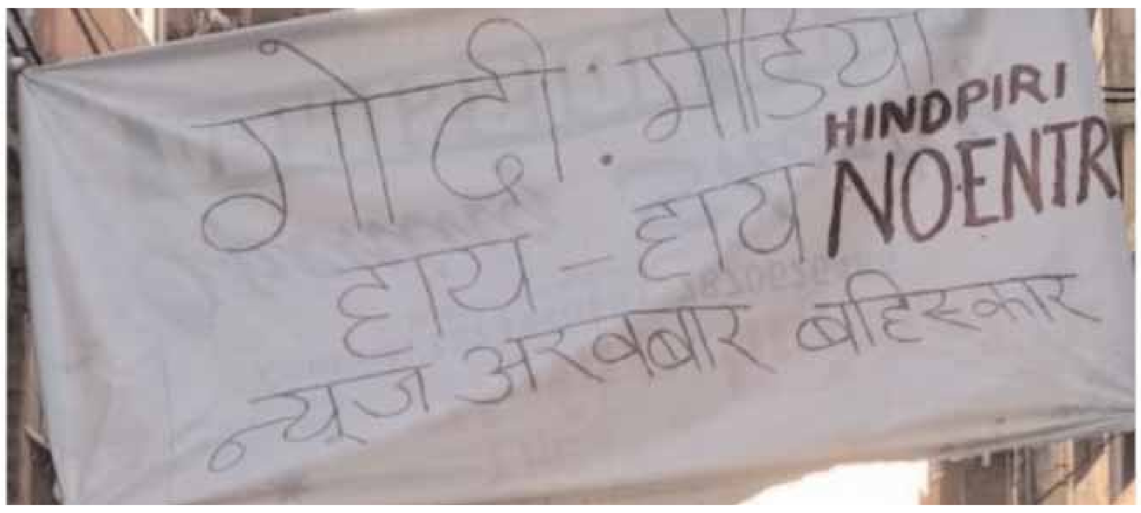

अपराध संवाददाता

राँची। राजधानी के हिंदपीढ़ी इलाके में रहने वाले लोग अब मीडिया का जमकर बहिष्कार करने लगे है।मेन रोड स्थित एकरा मस्जिद के बगल से हिंदपीढ़ी जाने वाले रास्ते मे स्थानीय लोगों ने एक होर्डिंग लगाया है,जो कि सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।होर्डिंग में लिखा गया है,'गोदी मीडिया हाय-हाय, न्यूज अखबार का बहिष्कार, हिंदपीढ़ी में इसकी इंट्री नहीं÷ गौरतलब है कि लॉकडाउन के पहले चरण से ही हिंदपीढ़ी इलाके से जुड़ी कई खबरें मीडिया में चर्चा का विषय बनी हुई है।इसमें निगमकर्मियों पर थूकने से लेकर, कोरोना पॉजिटिव मरीजों को रात के अंधेरे में प्रशासन द्वारा ले जाने का विरोध, मीडियाकर्मियों पर पथराव जैसी खबरें शामिल है।मीडिया में छपी इन खबरों से स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश दिखा है. इनका कहना है कि हिंदपीढ़ी में रहने वाले एक विशेष धर्म विशेष लोगों को कथित तौर पर मीडिया द्वारा बदनाम किया जा रहा है।हालांकि सच्चाई यह भी है कि राजधानी में जितने भी कोरोना पॉजिटिव मरीज अभी तक मिले है, वे सभी हिंदपीढ़ी इलाके से ही है।अभी तक जो आंकड़ा है उसमे हिंदपिड़ी से 13 कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं।जिसमे एक व्यक्ति की मौत भी हो गई है।ऐसे में जिला प्रशासन ने पूरी हिंदपीढ़ी को चारों तरफ से सील कर दिया है।बाहर आने-जाने पर लोगों की सख्ती मनाही है।इसके बावजूद समय-समय पर लोग लॉकडाउन का उल्लंघन भी कर रहे है।

पुलिस ने किया फ्लैग मार्च, लोगों को घर पर रहने की सलाह

स्थानीय लोगों द्वारा लगातार लॉकडाउन तोड़ने से परेशान अब रांची पुलिस ने भी सख्ती बरतना शुरू कर दिया है।बुधवार दोपहर को पुलिस की एक विशेष टुकड़ी ने इलाके में फ्लैग मार्च किया. लोगों को घर पर रहने की सलाह पुलिस द्वारा दी जा रही है।राँची एसडीएम, सिटी एसपी, कोतवाली डीएसपी सहित कई जवानों ने इलाके में फ्लैग मार्च किया।नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई करने की बात राँची पुलिस ने दिया है।

लॉक डाउन उल्लंघन, चार पर प्राथमिकी दर्ज

अपराध संवाददाता

रांची। लॉक डाउन उल्लंघन मामले में अरगोड़ा थाना की पुलिस ने बुधवार को कुल चार लोगों के खिलाफ थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज की है ।बेवजह रोड मे घुम रहे दोनों आरोपी कुमार शुभम और शौर्य भट्ट हरमू पटेल नगर के रहने वाले हैं । दोनों आरोपी के खिलाफ थाने में धारा 188 ,269 ,270 आईपीसी के तहत कांड संख्या 129/20 दर्ज की गई है । आरोपी लॉक डाउन के दौरान धोनी घर के समीप पेट्रोल पंप के बगल वाली गली में बेवजह घूम रहे थे।

वहीं अरगोड़ा थाना की पुलिस ने लॉक डाउन के दौरान अशोकनगर रोड नंबर 2 टीओपी के समीप चिकन दुकान खुला पाया, जो प्रशासन द्वारा निर्धारित मापदंड का उल्लंघन करते हुए पाया गया ।जिसमें पुलिस ने चिकन शॉप के संचालक निसार अहमद (कडरू, सरना टोली, अरगोड़ा)और तबरेज मिर्जा (इलाई नगर पुनदाग, जगन्नाथपुर) के खिलाफ धारा 188 ,269 और 270 आईपीसी के तहत कांड संख्या 128 /20 दर्ज की है ।मालूम हो कि लॉक डाउन उल्लंघन के दोनों केस थाने मैं पदस्थापित तूफानी गौतम राणा लिखित शिकायत पर दर्ज हुई है।

खलारी इलाके में देर रात भू धसान, दहशत

अपराध संवाददाता

राँची। खलारी थाना क्षेत्र के विश्रामपुर पंचायत के जामुन दोहर बस्ती में मंगलवार देर रात भू-धसान हो गया।भू-धसान होने से कई लोगों के घर 5 फुट तक धंस गये.दोहर बस्ती में जिस जगह यह घटना हुई है,वहां घर में सो रहे लोगों को भूकंप का एहसास हुआ था.इसके बाद जब लोग घर के बाहर आए तो देखा की घर धंस गया है.इस तरह की घटना के बाद लोगों के दहशत का माहौल बना हुआ है

बंद पड़े भूमिगत कोयला खदान के ऊपर बसा हुआ है बस्ती

जानकारी के अनुसार जिस जगह भू-धसान की घटना हुई वह बस्ती एनके एरिया के केडीएच खुली खदान से 200 मीटर के दायरे में है.साथ ही वर्षो से बंद पड़े भूमिगत कोयला खदान के ऊपर बसा हुआ है.बस्ती के लोग रात में सो रहे थे.इसी दौरान इन लोगों को भूकंप जैसा अहसास हुआ.लेकिन ये समझ नहीं पाए। देर रात 2:30 बजे घर जमीन में धंसने लगा.इसके बाद ये लोग अपने घरों से निकल भागे.सुबह तक रह-रहकर जमीन में दरार बढ़ रहा था. दोनों घर करीब 5 फीट नीचे की ओर धंस गए हैं.

लोगो के बीच दहशत का माहौल

भू-धसान के बाद बस्ती के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है.यह बस्ती वर्षो से बंद पड़े भूमिगत कोयला खदान के ऊपर बसी है.झारखंड के कोयला खनन वाले क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं आये दिन होती रहती हैं.धनबाद और बोकारो में जमीन से धुआं निकलने और गोफ बनने की घटना अक्सर सामने आते रहती है.

बीडीओ व थाना प्रभारी सख्त,

क्षेत्र में औचक निरीक्षण, कहा फर्जी रूप से घुमा तो कार्रवाई तय

संवाददाता

कोडरमा। 14 अप्रैल को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र संबोधन के दौरान लॉक डाउन की बढ़ाई गई अवधि में बुधवार से पुलिस ने बेवजह निकलने वाले पर सख्ती दिखानी शुरू कर दी है. डोमचांच प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार व थाना प्रभारी दशरथ यादव बाजार हाट, व नगर क्षेत्र, ढाब रोड, जैसे कई स्थानों पर औचक निरीक्षण किए। जिसके तहत सड़क पर बेवजह निकलने वाले और शोशल डिस्टेंस का उलंघन करने वालो को एफआईआर करने हेतु सक्त हिदायत दिए मौके आंचल अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि कोरोनावायरस के संक्रमण को जड़ से खत्म करने के लिए सबों का घर में रहना बेहद जरूरी है लोग घर में रखकर ही कोरोना को हरा सकते हैं ऐसे में कोई बेवजह सड़क पर आया तो उससे पुलिस सख्ती से निपटेगी इस दौरान थाना प्रभारी दशरथ यादव के द्वारा ऐसे वाहनों का भी जांच किया गया जो लोग बिना वजह चल रहे थे। साथ ही उन्होंने कहा उपरोक्त संयुक्त आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति या प्रतिष्ठान को भारतीय दंड संहिता 1860 के सेक्शन 188 के तहत कठोर कार्यवाही किया जाएगा।

महिलाओं के बीच राशन वितरण

कोडरमा। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का प्रकोप का प्रभाव खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा पड़ी है जिसके तहत ग्रामीणों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है इसी के तहत डोमचांच प्रखंड अंतर्गत मसनोडीह पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 132 में बुधवार को सेविका ऊषा देवी, सहायिका संगीता देवी व पोषण सखी काजल कुमारी ने ग्यारह गर्भवती और 84 धात्री महिलाओं के बीच राशन वितरण किया। वहीं सेविका उषा देवी ने बताया कि हमलोग कलहा, सखुआटांड़ आदि जगहों की महिलाओं को राशन दिया। वहीं सेविका ने सभी गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को कहा कि घर पर रहे और सुरक्षित रहें और सामाजिक दूरी बना कर रहें।

विहंगम योग संस्थान ने किया चूड़ा गुड़ का वितरण

नवप्रदेश संजय गिरि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित विहंगम योग संस्थान के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा बुधवार को हरिजन कॉलोनी इंट भट्टा एवं सीसीएल गोविंदपुर हॉस्पिटल के समीप रहनेवाले गरीब परिवारों के बीच चूड़ा एवं गुड़ का वितरण संस्थान के पदाधिकारियों के द्वारा किया गया.संस्थान के पदाधिकारियों में से केपी सिंह,राजकुमार लाल दास तथा प्रभात सिंह,आनंद केसरी,परमेश्वर नायक,मनोज कुमार साव,मधु खत्री क्षत्रि,मंटू गुप्ता आदि उपस्थित थे.

तीन माह से आंगनबाड़ी सेविकाओं को नहीं मिल रहा मानदेय

प्रतिनिधि,बोकारो थर्मल

कोरोना वायरस से बचाव को लेकर अपनी जान को जोखिम में डालकर डोर टू डोर काम करनेवाली महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यरत आंगनबाड़ी सेविका व सहायिकाओं को ऐसे समय में भी वेतन के लाले पड़े हुए हैं.बोकारो थर्मल सहित बेरमो प्रखंड के आंगनबाड़ी सेविका व सहायिकाओं को विगत् तीन माह से मानदेय नहीं मिला है,जिस कारण वे सभी भूखमरी की कगार में पहुंच गए हैं.एक ओर जहां आंगनबाड़ी के की सेविका एवं सहायिका को तीन माह से वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी को प्रतिमाह समय पर वेतन मिल रहा है.तीन माह से मानदेय की राशि नहीं मिलने से सेविका-सहायिकाओं के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है.वे कहती हैं कि प्रत्येक माह लाखों रुपए टीएचआर की राशि का वितरण होता है.मगर हमलोगों का मानदेय कब तक मिलेगा,इसका जवाब अधिकारियों के पास भी नहीं है.उनका कहना है कि कोरोना को लेकर डोर टू डोर अभियान में भी उन्हें विभाग की ओर से किसी प्रकार की काइ सुवधिा नहीं दी गयी है.बेरमो के सीओ सह प्रभारी सीडीपीओ मनोज कुमार ने इस संबंध में कहा कि जनवरी माह तक सभी का भुगतान कर दिया गया है.फरवरी के मानदेय भुगतान के लिए भेजा गया है.मार्च का भी जल्द ही भेजा जाएगा.कहा कि भुगतान को लेकर वरीय पदाधिकारियों से भुगतान जल्द करवाने को लेकर बात की जाएगी.

लॉकडाउन को लेकर पुलिस हुई सख्त,नियमों के उल्लंघन पर वसूला गया 20 हजार जुर्माना

प्रतिनिधि,बोकारो थर्मल

बोकारो थर्मल में स्थानीय थाने की पुलिस के द्वारा लॉकडाउन नियम तोड़ने वाले लोगों से सख्ती से निपटा जा रहा है.बुधवार को लॉकडाउन के दौरान यातायात नियमों के उल्लंघन करते पाए जाने वाले लोगों से जुर्माना भी वसूला गया.इसका असर भी सड़कों पर दिख रहा है.लोग बेवजह कम निकल रहे हैं.निकल भी रहे हैं तो पुलिस देखते ही भाग खड़े हो रहे हैं. इस संबंध में स्थानीय इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने कहा कि लॉक डाउन के दौरान अति आवश्यक होने पर ही घर से निकले.उन्होंने कहा कि यातायात नियमों को पालन करना जिम्मेदार नागरिकों का कर्तव्य है.लॉकडाउन के दौरान ज्यादा जरूरी काम है,तब ही बाजार निकलें.बाजार आने से पहले सारे कागजात और हेलमेट जरूर अपने साथ रखें और पुलिस की इस मुहिम में मदद करें.कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन का उल्लंघ करने पर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. इसलिए अपने घर में रहें और सुरक्षित रहें.सावधानी और सतर्कता बरतें. बिना काम के सड़कों पर ना घूमें.बुधवार को बोकारो यातायात पुलिस के सअनि रामप्रवेश राम ने गोविंदपुर सीसीएल कॉलोनी के समीप मेन रोड पर वाहनों की जांच की और बिना कागजात वाले वाहन चालकों से दो दिनों में बतौर जुर्माना लगभग बीस हजार रुपया वसूला.कहा कि पुलिस के लगातार कार्रवाई के बाद भी लॉक डाउन का उल्लंघन करने वालों की संख्या में कमी नहीं आ रही है.लोग सुबह से ही मानकों को ताक पर रखकर बेवजह घरों से निकल जाते हैं. इससे सड़कों पर काफी भीड़ दिखती है.

मुख्यमंत्री दीदी किचन का निरीक्षण बीडीओ ने किया

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी विनोद कुमार कर्मकार ने बुधवार कोहरला,नावाडीह,चुंगलो,तारा,धुरगड़गी, बदडीहा 1,पिंडरसोत, रेम्बा मेंपीडीएसदुकान,मुख्यमंत्री दीदी किचन ,बैंक का औचक निरीक्षण किया। बैंक ऑफ इंडिया ,झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक,भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधकों, बीसी को सामाजिक दूरी बनाकर ही स्वच्छता का अनुपालन करते हुए बैंकिंग कार्य करने का निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सूचना मिल रही हैं कि क्षेत्र में कुछ अवैध ब्यक्तियों के द्वारा घर घर जाकर आधार कार्ड से डिवाईस में फिंगरप्रिंट लेकर मनरेगा,पेंशन,उज्ज्वला गैस,प्रधानमंत्री गरीब कोविड 19 राहत योजना की राशि निकासी किया जा रहा है जो अनुचित व गैर कानूनी है पकड़ें जाने पर विधिसम्मत कार्रवाई होगी। अपना आधार नम्बर व फिंगरप्रिंट कदापि न दे। पीडीएस दुकानदार को निर्देश दिया गया कि समय पर राशन कार्ड धारियों के बीच सोशल डिस्टेंस मेंटेन कर वितरण करें। निर्धारित मात्रा से वजन में कम दिये जाने ,शिथिलता बरतने व किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर लापरवाही बर्दाश्त नही किया जायेगा बल्कि अनुज्ञप्ति रद्द करते हुए कानूनी कार्रवाई किया जायेगा। मुख्यमंत्री दीदी किचन केंद्र का अवलोकन करते हुए सखी मंडल की कार्यो की सराहना करते हुए आवश्यक सुझाव दिये उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दीदी किचन केन्द्र में असहाय,गरीब,दिव्यांग, विधवा नागरिकों को सुबह व दोपहर भोजन की ब्यवस्था है ।

रेल कर्मियों ने गरीबों के बीच भोजन का किया वितरण

रांची। हटिया स्टेशन के समीप दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस हटिया शाखा के द्वारा गरीबों के बीच खिचड़ी का वितरण किया गया यहां पर प्रायः किसी ना किसी कमेटी के द्वारा गरीबों के बीच खानपान का वितरण किया जाता है 21 दिनों तक रेलवे एम्पलाई ने भी गरीबों के बीच भोजन का वितरण किया। लॉक डाउन के 22 वे दिन हटिया इलेक्ट्रिक ऑफिस के कर्मचारियों ने खिचड़ी का वितरण किया

कोरोना के इस जंग में बीमारी के साथ हम भुख से भी लड़ रहे हैं और लड़ेंग: मनीष

हजारीबाग। लॉकडाउन के विषम परिस्थिति में सदर विधायक मनीष जायसवाल अपने राजनीतिक और सामाजिक दायित्व के साथ मानवीय मूल्यों के प्रति अपने कर्तव्यों का शत-प्रतिशत निर्वहन कर रहे हैं। अहले सुबह से लेकर देर रात्रि तक वे अपने परिवार, भाजपा कार्यकर्ता और शुभचिंतकों के साथ जनसेवा में जुटे हुए हैं। बुधवार को प्रतिदिन की भांति अपने विधायक कार्यालय परिसर में स्थापित नमो आहार केंद्र के माध्यम से जहां उन्होंने खुद अपने हाथों से परोस कर करीब 400 भूखे लोगों को स्वादिष्ट खिचड़ी खिलाया और उनका पेट भरा वहीं शहर के विभिन्न इलाके में प्रचंड धूप में अपने शरीर को तपातर सेवा दे रहे हैं कर्मवीर पुलिस जवानों के लिए खुद अल्पाहार का पैकेट निर्माण किया और अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से उनके बीच जाकर अल्पाहार का पैकेट्स बांटवाया। इस दौरान विधायक श्री जायसवाल ने कर्मवीर पुलिस जवानों का हौसला अफजाई करने के उद्देश्य से उन्हें कोरोना के इस जंग में मुस्तैदी से ड्यूटी करने हेतु उनके प्रति आभार भी जताया। पुलिस जवानों को विधायक श्री जायसवाल द्वारा अल्पाहार के रूप में लस्सी, बिस्किट और पानी बोतल युक्त थैला दिया गया। उल्लेखनीय है कि विगत 17 दिनों से लगातार विधायक श्री जायसवाल अपने कार्यालय परिसर में प्रतिदिन सैकड़ों भूखों को भोजन उपलब्ध करा रहे हैं वही विगत 3 दिनों से पुलिस जवानों को अल्पाहार उपलब्ध करा रहे हैं। इसके अलावा विधायक श्री जायसवाल द्वारा हजारीबाग जिले के विभिन्न क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के बीच 50,000 फूड पैकेट्स का वितरण, सैनिटाइजर और मास्क वितरण तादात में युद्धस्तर पर किया जा रहा है। राशन कार्ड में छूटे लोगों का नाम भी आपदा को देखते हुए राज्य सरकार के निर्देशानुसार विधायक कार्यालय में खुद सदर विधायक मनीष जायसवाल के देख- रेख में ऑनलाइन कराया जा रहा है। यहां बुधवार को ऑनलाइन करने अपने दस्तावेजों के साथ दर्जनों महिला- पुरुष पंहुचे और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए लोगों ने अपना ऑनलाइन आवेदन प्रेषित कराया ।

मौके पर विधायक मनीष जायसवाल ने बताया की आपदा से कोई भी प्रभावित हो सकता है लेकिन इसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा। कोरोना के इस जंग में केवल बीमारी ही नहीं भुखमरी से भी हम लड़ रहे हैं और तब तक लड़ेंगे जब तक की स्थिति सामान्य ना हो जाए। उन्होंने समाज के सभी सबद्ध लोगों से अपील भी किया कि भी इस जंग में आगे आए और गरीबों के मददगार बने ।

संस्कार एंक्लेव के सदस्यों ने किया फूड पैकेट का वितरण

हजारीबाग। कोरोना वायरस की महामारी के कारण जहां एक ओर पूरे देश में लॉक डाउन की स्थिती है वहीं हजारीबाग के समाजसेवियों के हाथ सेवा के लिए लगातार आगे आ रहे है। खंडेलवाल बंधन वेबसाइट की टीम व संस्कार एंक्लेव के सौजन्य से बुधवार को गरीब,असहाय लोगों के बीच फूड पैकेट का किया गया वितरण बता दे कि खंडेलवाल बंधन वेबसाइट की टीम एक अप्रैल से लगातार अपनी सेवा दे रही है।लगातार सभी संस्थानों व ग्रुप का भी सहयोग मिलता आ रहा है जिनमे- सोशल जैन लेडीज ग्रुप,जैन महिला ग्रुप ,जैन महिला मिलन ,जमशेदपुर से अशोक मेठी , नई दिल्ली से सुनीता भूख का भी सहयोग मिल रहा है।वहीं सौरभ पाटोदी ने बताया कि इस संकट की घड़ी में मैं लगातार सेवा के लिए तत्पर हूं। संस्कार एंक्लेव के सदस्य रितेश खंडेलवाल ने बताया कि में लोगों से भी अपील करना चाहूंगा कि इस संकट की घड़ी में गरीब,असहाय लोगों की मदद करे।

लिव-इन में रहने के बाद इन सितारों ने रचाई थी शादी

लिव-इन रिलेशनशिप आज के समय में काफी आम हो गया है। भारतीय कानून भी एक लड़का-लड़की को एक ही छत के नीचे रहने की अनुमति देता है। इसके लिए लड़का और लड़की दोनों का कुंवारा या तलाकशुदा होना जरूरी है। लिव-इन में रहने के लिए एक लड़के की उम्र 21 वर्ष और लड़की की उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए। आज हम आपको बता रहे हैं कि बॉलीवुड में कौन-कौन से सितारे लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुके हैं।

सैफ अली खान और करीना कपूर

बॉलीवुड में सैफ अली खान और करीना कपूर लंबे समय तक लिव इन रिलेशनशिप में रह चुके हैं। 2012 में एक दूसरे के साथ शादी के बंधन में बंधने से पहले ये कपल रिलेशनप में रहा है और इस बात को करीना ने कभी नहीं छिपाया कि वह सैफ के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रही हैं।

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा भी उन सेलिब्रिटी मे से एक हैं जो शादी से पहले एक दूसरे के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह चुके हैं। 11 दिसंबर, 2017 को इटली में शादी के बंधन में बंधने से पहले विराट और अनुष्का लिव इन में कई सालों तक रहे थे।

कुणाल खेमू और सोहा अली खान

बॉलीवुड में चाइल्ड एक्टर के तौर पर एंट्री करने वाले कुणाल खेमू भी शादी से पहले सोहा अली खान के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह चुके हैं। अपने भाई की तरह सोहा अली खान 25 जनवरी, 2015 को कुणाल के साथ शादी रचाने से पहले लिव इन में रहीं। आज सोहा और कुनाल एक बेटी के माता-पिता हैं।

आमिर खान और किरण राव

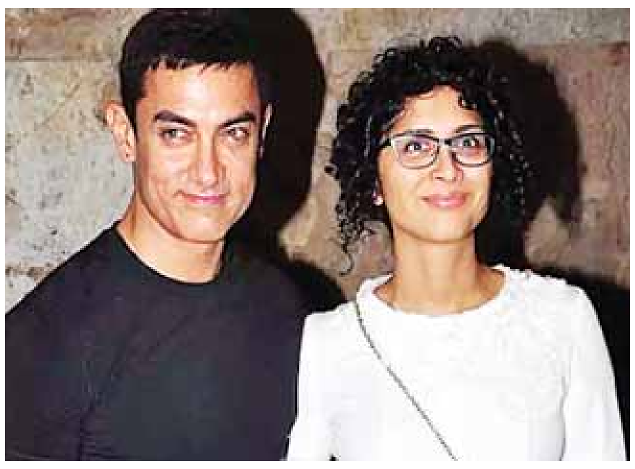

बॉलीवुड में मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर आमिर खान किरण राव के साथ अपनी पहली पत्नी रीना दत्ता से अलग होकर लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुके हैं। 2005 में किरण राव और आमिर खान शादी के बंधन में बंधे थे।

कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह

बेहतरीन कमेडियन और बॉलीवुड एक्टर कृष्णा अभिषेक भी एक्ट्रेस कश्मीरा शाह के साथ लिव इन में कई सालों तक रह चुके हैं। 2013 में गुपचुप तरीके से शादी करने के बाद उन्होंने 2014 में इस शादी के बारे में बताया था। लंबे समय तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के बाद आज ये कपल 2 बच्चों के माता-पिता हैं।

बॉलीवुड के इन सभी सितारों ने यह साबित किया है कि अब समय बदल चुका है। लिव-इन में रहकर किसी रिश्ते को बेहतर तरीके से परखा जा सकता है और उसे नए आयाम दिए जा सकते हैं। रिलेशनशिप कितना कठिन शब्द हो या कितना आसान, यह आप पर निर्भर करता है। ऐसा जरूरी नहीं है कि सभी शादी सफल हों या सभी लिव-इन विफल हों। आपके रिश्ते की गहराई और समझ यह फैसला करती है कि आप एक-साथ कितने दूर चलेंगे।

फैशन के मामले में श्वेता तिवारी से एक कदम आगे हैं बेटी पलक

घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी श्वेता तिवारी कितनी फैशनेबल हैं यह तो हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या कभी अपने उनकी बिटिया रानी पलक तिवारी की तस्वीरों पर गौर फरमाया है। जी हां, श्वेता तिवारी की लाडली पलक फैशन के मामले में अपनी मम्मी से भी एक कदम आगे हैं। पलक अक्सर ही सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। जिसमें उनके एक से बढ़कर एक लुक्स नजर आते हैं। ऐसे में कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि श्वेता तिवारी की बेटी भले ही लाइमलाइट से दूर रहती हों, लेकिन अपने फैशन सेंस से वो हर किसी को अपना दीवाना बना रही हैं। ऐसे में आज हमने सोचा क्यों न आपको उनके कुछ बेहतरीन लुक्स दिखाएं, जिन्हें देखकर आप वास्तव में यही कहेंगे कि वह एक फैशन डीवा है।

फ्रिल स्कर्ट विद ट्यूब टॉप

सोफिया गुप्ता की डिजाइन की हुई इस आइस ब्लू ड्रेस में पलक कमाल की लग रही हैं। फ्रिल स्कर्ट विद ट्यूब टॉप को उन्होंने इस अंदाज में पहना है वो यकीनन देखने लायक है। बोट डीप कट डिजाइन के साथ डायमंड चोकर नेकपीस उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। न्यूड मेकअप, स्मोकी आईज और खुले बाल उनके इस लुक को पूरा कर रहे हैं। साथ ही हाथों में दिख रही रिंगने डिजाइन की है। वैसे ये बात यहां पूरी तरह फिट बैठती है कि पलक खूबसूरत होने के साथ-साथ स्टाइलिंग के मामले में स्टार किड्स को भी कड़ी टक्कर दे रही हैं।

येलो घाघरा-चोली

अपने मामा की शादी में पलक तिवारी ने उस समय सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया, जब वो ऐश्वर्या स्टूडियो के घाघरा-चोली को पहनकर हल्दी का फंक्शन अटेंड करने पहुंचीं । इस दौरान पलक काफी खूबसूरत नजर आ रही थीं। IZAARA की मैचिंग ज्वैलरी में पलक का लुक देखने लायक था। मिनिमल मेकअप के साथ लॉन्ग डैंगलर्स और पार्टेड हेयर्स उनके इस लुक को काफी खूबसूरत बना रहे थे।

एम्ब्रायडरी लहंगा

Jiya By Veer के कलेक्शन से तैयार किया गया Lilac जरदोसी एम्ब्रायडरी लहंगे में पलक की खूबसूरती देखते ही बन रही थी। V शेप नेकलाइन वाला ब्लाउज, खुले बिखरे बाल और उस पर लॉन्ग डायमंड इयरिंग्स उनके इस लुक में जान डाल रहे थे। साथ ही मिनिमल मेकअप के साथ न्यूड लिपस्टिक और स्मोकी आईज के साथ उन्होंने अपने इस लुक को कम्पलीट किया था।

ब्लैक स्लिप ड्रेस

पलक तिवारी अपने हर फोटोशूट में काफी डिफरेंट लुक कैरी हैं। वो इस ब्लैक स्लिप ड्रेस में काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। पलक का इंस्टाग्राम उनकी ऐसी ही ग्लैमरस तस्वीरों से भरा पड़ा है। इस स्लिप ड्रेस के साथ पलक ने जिस तरीके से पोज किया है वो काफी सेन्सैशनल है। माथे पर बिखरे बाल और हेजल आईज उनके इस लुक को और भी खास बना रहे हैं।

पिंक बस्टीयर टॉप

सॉटन फैब्रिक का ऑफ शोल्डर पिंक बस्टीयर टॉप के साथ डेनिम ब्लू जींस में पलक का लुक देखते ही बन रहा है। केजुअल आउटिंग के लिए पलक का ये लुक एकदम परफेक्ट है। न्यूड मेकअप के साथ साइडेड हेयर्स और लाइट पीच कलर लिपस्टिक उनके इस लुक को कम्पलीट कर रही थी।

लाइट पिंक लहंगा

Renee Label की डिजाइन की हुई इस ड्रेस को पलक ने दीवाली के समय पहना था। इस ड्रेस ने पलक ने अपनी सिंपलसिटी को बरकरार रखते हुए काफी खूबसूरत पोज दिए हैं। गोल्डन स्लीवलेस ब्लाउज के साथ पेयरअप किया हुआ ये लुक आज की यंग गर्ल्स के लिए एकदम परफेक्ट है। मिनिमल मेकअप के साथ पीच पिंक न्यूड लिप कलर उन पर काफी फब रहा था।

डायबिटीज के मरीज इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए अपनाएं ये तरीके

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अप्रैल यानी आज अपने संबोधन में आयुष मंत्रालय का भी जिक्र किया, जिसमें इस बात की जानकारी दी गई कि लोग अपनी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए किन-किन तरीकों को अपना सकते हैं। इसके साथ-साथ डायबिटीज के मरीजों को लेकर भी इस बारे में विशेष जानकारी दी गई है।

डायबिटीज के मरीज कई सारे स्वास्थ्य जोखिम के शिकार बड़ी आसानी से बन जाते हैं और यही वजह है कि उनके लिए खास दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। बात की जाए अगर विश्व स्तर पर तो अमेरिका में कोरोना वायरस से संक्रमित हुए ज्यादातर लोग डायबिटीज और हृदय रोग से पीड़ित हैं। डॉक्टरों का मानना है कि अंडरलाइंग मेडिकल कंडीशन वाले लोगों में लगातार कई दवाओं के सेवन के कारण इम्यून सेल्स कमजोर हो जाती हैं। इसका नकारात्मक प्रभाव इम्यूनिटी सिस्टम पर पड़ता है। इम्यून सिस्टम की कमजोर होने पर अगर आप संक्रमण की चपेट में आते हैं तो उसकी स्थिति गंभीर हो सकती है यही वजह है कि आयुष मंत्रालय ने ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

सावधानियों में कई अहम बातें

- डायबिटीज से पीड़ित लोग स्मोकिंग करने से बचें।
- अंडरलाइंग मेडिकल कंडीशन (डायबिटीज और हृदय रोग) से पीड़ित लोग संक्रमण से बचे रहने के लिए सभी दिशा-निर्देशों का गंभीरतापूर्वक पालन करें।
- ऐसे लोगों को इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए सभी इम्यूनिटी बूस्टर फूड्स का सेवन करना चाहिए।
- इसके अलावा डायबिटीज से पीड़ित लोग शुगर फ्री च्यवनप्राश का सेवन करके अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाएं।

सिल्क की साड़ी पहनते समय इन 5 बातों का रखें ख्याल

जब भी बात सिल्क की साड़ियों को पहनने की आती है तो अक्सर महिलाएं इस बात को लेकर परेशान होती हैं कि आखिरकार इस साड़ी को कैसे पहनें कि हम पार्टी में सबसे हटकर लगे। क्योंकि इसकी बनावट बहुत चिकनी होती है जिसके कारण इसे संभालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। परफेक्ट सिल्क की साड़ी पहनने के लिए हम आपसे ऐसा बिल्कुल नहीं कह रहे कि आप बाजार से कोई महंगी साड़ी उठा लाएं, आपको बस जरूरत है तो कुछ स्टाइलिंग टिप्स की। अगर आपके मन में भी ऐसे सवाल हैं कि सिल्क की साड़ी को कैसे पहनें? तो आज हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स और ट्रिक्स शेयर करेंगे जो आपके सिल्क साड़ी लुक को पूरा करने में आपकी मदद कर सकते हैं। जिससे ने केवल आप स्टाइलिश लगेंगी बल्कि आपकी सिल्क की साड़ी को सही ग्रेस भी मिल जाएगा।

सही से करें रंगों का चुनाव

सबसे पहले आपको इस बात को अच्छे से जानना होगा कि आपके ऊपर कौन से रंग अच्छे लगते हैं और कौन से नहीं। जी हां, रंग हमारी सुंदरता को बनाने और बिगाड़ने का काम बहुत अच्छे से कर लेते हैं। ऐसे में सबसे पहला काम तो आप अपने कॉम्प्लेक्शन के हिसाब से सही रंग चुनाव करें। ऐसा हम आपको इसलिए भी बता रहे हैं क्योंकि सिल्क की साड़ी थोड़ी चमक वाली होती है। अगर आपने गलती से किसी रंग का चुनाव कर लिया जो आपके कॉम्प्लेक्शन के हिसाब से नहीं है तो ये आपके ऊपर भड़काऊ लग सकती है। वहीं, सबसे जरूरी बात अगर आपकी सिल्क की साड़ी डार्क कलर की है तो ये आप शाम के किसी फंक्शन में कैरी कर सकती हैं। इसके अलावा हल्के रंगों की साड़ी को दिन के लिए रखें, क्योंकि रात की जगमगाहट में इनका कलर दब जाएगा।

ब्लाउज को दें फैशनेबल टच

सिल्क की साड़ियों पर हम किसी और फैब्रिक का ब्लाउज नहीं पहन सकते। ऐसे में आपको अपनी साड़ी से मिलता-जुलता ब्लाउज ही पहनना होगा। अगर आप अपनी सिल्क की साड़ी को किसी बड़े फंक्शन में पहनने के लिए तैयार कर रही हैं तो कोशिश करें कि इसका ब्लाउज थोड़ा फैशनेबल हो। ऐसा इसलिए मोहतरमा क्योंकि सुंदरता के साथ-साथ स्टाइल भी बहुत मायने रखता है। अगर आप अपनी ब्लाउज को थोड़ा बहुत भी स्टाइलिश लुक देंगी तो ये आपकी सुंदरता में चार चांद लगा देगा। साथ ही साथ मेकअप, स्टाइलिंग और ज्वेलरी से आपकी साड़ी और भी ज्यादा ग्रेसफुल लगेगी।

इस तरह पहनें सिल्क की साड़ी

सिल्क की साड़ी को पहनना काफी मशक्कत भरा काम है। हालांकि, एक बात यह भी है कि अगर ये एक बार सही से बंध गई तो आपको स्टाइलिश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मम्मी-दादी को आपने कई बार कहते सुना होगा कि सिल्क की साड़ियों में ज्यादा सेफ्टी पिन का इस्तेमाल नहीं होता जिसके कारण इसकी प्लेट्स ज्यादा सरकती हैं। लेकिन सच बताएं तो ऐसा कुछ भी नहीं है। सिल्क की साड़ियों का ग्रेस आपके बांधने के तरीके में छिपा है। ऐसे में आप जब भी अब सिल्क की साड़ी पहनें तो सबसे पहले ये कोशिश करें कि आपकी साड़ी एकदम अच्छे से प्रेस की गई हो, और फिर इसे लपेटना शुरू करें। अगर आप साड़ी की अच्छी प्लेट्स नहीं बना पातीं तो किसी और की भी मदद ले सकती हैं।

जूलरी लगाएगी सुंदरता में चार चांद

किसी ने खूब कहा है कि बिना आभूषण महिलाओं का श्रृंगार अधूरा है। जब बात सिल्क की साड़ी पहनने की आती है तो इस पर भरी-भरकम जूलरी न हो ऐसा कैसे हो सकता है। अगर आप भी चाहती हैं कि आपके फैशन में स्टाइल का तड़का लगे तो आप अपनी सिल्क की साड़ी के साथ उससे मिलती-जुलती जूलरी को खरीदें। इतना ही नहीं, अगर आपका भारी भरकम सेट पहनने का दिल नहीं है तो आप कड़ा और झुमके के साथ भी अपने लुक को एलिगेंट बना सकती हैं।

संपादकीय

लॉकडाउन बढ़ना उचित निर्णय

कोरोना वायरस के खतरे से देश को बचाने के लिए भारत में लॉकडाउन लागू किया गया था। जिसकी अवधी 14 अप्रैल को खत्म हो गई। इसके बाद लॉकडाउन को तीन मई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। निश्चित रूप से सरकार का यह निर्णय उचित है। स्वागत योग्य भी। महाराष्ट्र, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों ने तो अपने ही लॉकडाउन को दो सप्ताह के लिए बढ़ा दिया था। अनेक राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी से मांग की थी कि पूरे देश में लॉकडाउन को और आगे बढ़ाया जाए। विशेषज्ञों ने भी लॉकडाउन की अवधि बढ़ाए जाने के पक्ष में अपनी राय दी थी। इस पर गौर करने के बाद केन्द्र सरकार ने लॉकडाउन को बढ़ाने का फैसला किया है। गौरतलब है कि जब पहली बार लॉकडाउन किया गया था। तब देश में सिर्फ 550 कोरोना वायरस से संक्रमित लोग थे और सिर्फ तीन लोगों की मौत हुई थी। लेकिन आज कोरोना वायरस से ग्रसित लोगों की संख्या 10 हजार से भी ज्यादा हो चूकि है। जबकि 300 से ज्यादा लोग काल के ग्रास बन चुके है। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि देश में कोरोना वायरस का संक्रमण इतनी तेजी से फैल रहा है। ऐसी स्थिति में लॉकडाउन को बढ़ाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं रह गया था। अन्यथा भारत में कोरोना थर्ड स्टेज में पहुंच सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए देशवासियों से सात बातों पर साथ मांगा है। उकना कहना है कि बुजुर्गों और बिमारों का ध्यान रखें। लॉकडाउन और सामाजिक दुरी का पालन करें। आरोग्य सेतु एप डॉउनलोड करें। गरीब परिवारों की मदद करें और उद्योगों में काम करने वालों नौकरी से न निकाले तथा कोरोना योद्धाओं का सम्मान करें। यदि देशवासी इन सात बातों में सरकार का साथ देते तो निश्चित रूप से हम कोरोना को हराने में सफल होंगे। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि लॉकडाउन का सख्ती पूवर्क पालन किया जाए। दरअसल पहली बार जब लॉकडाउन किया गया तो लोगों ने उसका ईमानदारी से पालन नहीं किया यही वजह है कि कुछ जाहिलों की जहालत के कारण देश में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल गया। इससे सबक लेकर इस बार सरकार को चाहिए कि वह सभी राज्य राज्य सरकारों को लॉकडाउन का सख्ती पूर्वक करने के लिए कड़े निर्देश दे। सभी राज्यों की पुलिस को सख्ती बरतने के आदेश दिए जाए। ताकि वे सरकार की मंशा के अनुरूप लॉकडाउन को सफल बनाने में अपना योगदान दे सके। यदि लॉकडाउन को कढ़ाई पूर्वक लागू नहीं किया गया तो लॉकडाउन अर्थहीन हो जाएगा और तीन मई के बाद फिर से लॉकडाउन बढ़ाने की नौबत आ जाएगी।

विचार

कोरोना को भारत मात देकर रहेगा

आज केंद्र सरकार के दफ्तरों में मंत्री लोग और बड़े अफ्सर दिखाई पड़े हैं, उससे आप पक्का अंदाज लगा सकते हैं कि अब यही साहस राज्यों की सरकारें भी दिखाना शुरु कर देंगी। धीरे-धीरे छोटे कर्मचारी भी दफ्तरों में आने लगेंगे। इस संबंध में मेरा पहला सुझाव तो यही है कि मध्यप्रदेश में उसके मुख्यमंत्री शिवराज चौहान अपने मंत्रिमंडल का गठन तुरंत कर लें तो इसमें

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कोई बुराई नहीं है। बिना भीड़-भड़क्का और धूम-धड़क्का किए हुए उनका मंत्रिमंडल भोपाल में शपथ ले सकता है। पिछले तीन-चार हफ्तों से वे ही सरकार चलाने का बोझ अकेले उठा रहे हैं। यदि देश के सभी प्रदेशों में वहां की सरकारें सक्रिय हो जाएं तो जनता को जबर्दस्त राहत मिलेगी। जनता को यह भी अच्छा लगेगा कि वह तीन-चार हफ्ते बाद अपने डरपोक और घर-घुस्सू नेताओं के दर्शन कर सकेगी। यदि मंत्री बाहर निकलेंगे तो हजारों कार्यकर्ता भी मैदान में कूद पड़ेंगे। यह पहल कोरोना-युद्ध में भारत को विजयी बना देगी। इस समय देश के डॉक्टर, नर्स, पुलिसकर्मी, बैंक कर्मचारी और पत्रकार अपनी जान हथेली पर रखकर लोगों की सेवा में लगे हुए हैं। यदि करोड़ों राजनीतिक कार्यकर्ता भी मैदान में आ गए तो देश की अर्थ-व्यवस्था डांवाडोल होने से बच जाएगी। सरकार ने घोषणा की है कि आवश्यक माल ढोनेवाले ट्रकों पर कोई पाबंदी नहीं होगी। उनके ड्राइवरों को तंग नहीं किया जाएगा। मालगाड़ियां चल ही रही हैं। राज्य सरकारें अपने-अपने किसानों को फसल काटने और बेचने की सुविधा देने पर विचार कर रही हैं। यदि शहरों के कारखाने भी कुछ हद तक चालू कर दिए जाएं तो प्रवासी मजदूरों की समस्या भी सुलझेगी। जो अपने गांवों में लौटना चाहते हैं, उनका इंतजाम भी किया जाए। करोड़ों गरीबी रेखावाले लोगों को राशन और नकद रुपए सरकार ने पहुंचा दिए हैं। समाजसेवी संस्थाओं ने भी अपने खजाने खोल दिए हैं। दो लाख से ज्यादा लोगों की जांच हो चुकी है। सैकड़ों कोरोना मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। करोड़ों मुखौटे बंट रहे हैं। लोग शारीरिक दूरी बनाकर रखने में पूरी सावधानी बरत रहे हैं। कुछ प्रतिबंधों के साथ रेलें और जहाज भी चलाए जा सकते हैं। अगले दो हफ्तों में भारत कोरोना को मात देकर ही रहेगा।

खास होगा लॉक डाउन का दूसरा चरण

राजेश माहेश्वरी

बेहतर होगा हम केवल अपेक्षा करने की बजाय व्यवस्था में सहयोग करें क्योंकि वह हमारी सुरक्षा और सुविधा के लिए ही तो बनाई गई है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि कोरोना को हराने के लिए पहले का 21 दिन का लॉकडाउन का उतनी गंभीरता से नहीं लिया गया जिसकी जरूरत थी। अब सरकार और प्रशासन लॉकडाउन-2 में कुछ ढील भी देते है, तो उनका किसी को नाजायज फायदा उठाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि किसी की भी लापरवाही और गलती कोरोना को बढ़ा सकती है। पिछले दिनों ही पीएम ने 'जान भी जहान भी' का मंत्र घोषित कर यह संकेत दे दिया था कि लॉकडाउन पार्ट-2 पहले से अलग होगा। यदि 130 करोड़ भारतीय एकजुटता दिखाये और सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मुहैया करवाने के साथ-साथ अधिक से अधिक आबादी को जांच के दायरे में लाये तो इससे कोरोना वायरस के प्रभाव पर अंकुश लगाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को सम्बोधित करते हुए लॉक डाउन की अवधि को 3 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। 21 दिन का लॉक डाउन का पहला चरण पूरा होते-होते देश में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 10 हजार को पार कर गया है। असल में लॉक डाउन के बाद देश भर में जांच कार्य में तेजी आई है इस कारण भी आंकड़ा निरंतर ऊपर जा रहा है। 21 दिन में कोरोना को पूर्णतः नियंत्रित करने में काफी हद तक सफलता मिली है। किन्तु तबलीगी जमात की वजह से ऐसे हालात बने जिनसे इस महामारी को बढ़ने से नहीं रोका जा सका। और तो और उसका फैलाव भी देशभर में हो गया । इस कारण अनेक शहरों में हॉट स्पॉट बन गये, जिसमें देश की राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई भी शामिल है। अब चूंकि लॉकडाउन की अवधि को बढ़ा दिया गया है, ऐसे में आशा जगती है कि आने वाले दिन देश के खास होंगे। लॉकडाउन-2 में पूरी तरह पता चल जाएगा कि हम कोरोना संक्रमण को रोकने में कहां तक सफल रहे हैं।

देशभर में कोरोना की जांच में तेजी आई है। जिसके चलते प्रदेश के कई राज्यों से लगातार संक्रमितों की खबरें आ रही हैं। विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले 7 से 10 दिनों के भीतर संख्या में और वृद्धि की पूरी सम्भावना है। इस वजह से ये आशंका भी उत्पन्न हुई है कि कोरोना भारत में सामुदायिक संक्रमण की स्थिति में पहुंच गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तो इस आशय की घोषणा भी कर दी लेकिन केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने इसका खंडन किया है। इस सबके बीच अच्छी खबर ये है कि भारत में कोरोना ग्रसित लोगों के ठीक होने का आंकड़ा 10 फीसदी जा पहुंचा है। अस्पताल से ठीक होकर लौटे ये लोग कोरोना को लेकर व्याप्त भय और गलतफहमियों को दूर करने में सहायक बन रहे हैं। लोगों को ये लगने लगा है कि कोरोना का इलाज संभव है। हर ठीक होते रोगी से देश का आत्मबल बढ़ता जा रहा है।

सरकार, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन की चुस्ती के बावजूद देश में अभी भी एक वर्ग ऐसा है जो जांच से भाग रहा है। विशेष रूप से तबलीगी जमात के दिल्ली स्थित मुख्यालय मरकज से निकलकर देश भर में फैले जमाती कोरोना के विरुद्ध चल रही जंग को पलीता लगाने का काम कर रहे हैं। सामुदायिक संक्रमण सम्बन्धी आशंका के पीछे भी ये जमाती ही हैं जिन्होंने मस्जिदों के अलावा मुस्लिम बस्तियों में छिपकर अपनी बिरादरी के बाकी लोगों को भी कोरोना का संक्रमण बांटा। भले ही ये कहना कुछ लोगों को बुरा लगे लेकिन जमातियों ने इस लड़ाई को लंबा और कठिन बना दिया। वरना 21 दिन के लॉक डाउन के बाद अभी तक भारत कोरोना को हराने के मामले में काफी हद तक सफल हो चुका होता। ईश्वर की अपार कृपा है कि बावजूद इसके हालात नियन्त्रण में बने हुए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने ताजा सम्बोधन में लॉक डाउन को आगे बढ़ाने के साथ-साथ आने वाले दिनों में कुछ रियायतें और ढील देने की बात भी कही है। सरकार जल्द ही लॉकडाउन-2 को लेकर गाइड लाइन जारी करने वाली है। विशेषज्ञों के अनुसार लॉक डाउन के दूसरे चरण में सबसे बड़ी समस्या साधनहीन तबके की जरूरतों को पूरा करने की है। बीते दो हफ्ते में समाज की सामूहिक संवेदनशीलता का श्रेष्ठतम स्वरूप देखने मिला। शासन ने भी इस तबके की भरसक मदद की और प्रशासन का सेवा भाव भी काबिले तारीफ रहा है। चूंकि अब लॉकडाउन को 19 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। ऐसे में इस बात की सम्भावना है कि सरकार दिहाड़ीदार श्रमिक वर्ग को कुछ छूट और रियायतें जरूर देगी, ताकि वो अपना भरण पोषण कर सकें।

इन सबके बीच सवाल यह भी है कि क्या आने वाले दिनों में जरुरी सामान की आपूर्ति क्या पहले जैसी ही कायम रह पायेगी? प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि देश में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध है इस आपदा से लड़ने के लिए। जानकारों के मुताबिक सरकार द्वारा लॉक डाउन के अगले चरण में इनका उत्पादन करने वाली इकाइयों को दोबारा शुरू करने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी जायेगी। तमाम समस्याओं और परेशानियों के बीच एक समस्या उन राज्यों में हो रही है जहां अन्य राज्यों के मजदूरों को बिना काम के रोक लिया गया है। बीते दिनों गुजरात के एक शहर में किसी निर्माणाधीन भवन के काम में लगे उड़ीसा के मजदूरों ने उन्हें घर वापिस भेजने की मांग करते हुए उपद्रव कर दिया। कुछ और जगहों से भी ऐसी खबरें मिली हैं। भले ही ये खबरें इक्का-दुक्का हो लेकिन इन पर ध्यान देने की जरूरत है। सबसे बड़ी परेशानी आ रही है राशन की दुकानों तथा उन बैंकों में जहां अनाज और खाते में जमा सहायता राशि प्राप्त करने के लिए भीड़ उमड़कर अव्यवस्था फैला रही है। इसके चलते प्रशासन के काम में समस्याएं आ रही हैं। बेहतर हो इन मोर्चों पर कोरोना वॉरियर्स के रूप में सेवाएं दे रहे स्वयंसेवकों को तैनात किया जाए जिनका क्षेत्रीयजनों से जीवंत सम्पर्क होता है। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों की सेवाएँ भी ली जा सकती हैं।

इसमें कोई शक नहीं है कि लॉक डाउन का दूसरा चरण पहले की अपेक्षा कहीं ज्यादा दबाव वाला होगा। पहले दौर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या सैकड़ों में थी जो 25-30 प्रतिदिन की दर से बढ़ रही थी। लेकिन अब ये संख्या 10 हजार का आंकड़ा पार कर चुकी है। इसके अलावा बड़ी संख्या उन लोगों की भी है जिन्हें संदेह के कारण क्वारंटाइन में कर रखा गया है। ऐसे में शासन-प्रशासन पर अतिरिक्त भार बढ़ता जा रहा है। चिकित्सा के काम में लगे डाक्टर्स और उनके सहयोगी भी दिन रात अपनी क्षमता से ज्यादा काम कर रहे हैं। ऐसे में लॉक डाउन बढ़ने के बाद समाजसेवा में लगे व्यक्तियों और संस्थाओं को भी दोगुनी शक्ति से मैदान में डटना होगा। इसके साथ ही आम जनता को भी देखना और सोचना होगा कि ये संकट असाधारण और अप्रत्याशित होने से व्यवस्थाएं अपर्याप्त होना स्वाभाविक है और बजाय असंतोष फैलाने के हमें हालातों के साथ जीने की आदत डालना होगी। कोरोना संकट से उबरना तभी सम्भव हो सकेगा जब देश में उसके नये मरीज मिलने बंद हो जायेंगे। इसलिए स्थिति सामान्य होने की निश्चित अवधि कोई नहीं बता सकेगा। ये समय साहस से ज्यादा समझदारी दिखाने का है। आगे आने वाले 19 दिन में यदि संक्रमण की संख्या बढ़ना नहीं रुका तब फिर इटली और स्पेन जैसी भयावह स्थिति पैदा हुए बिना नहीं रहेगी। सरकार की तरफ से मिलने वाली छूट का उतना ही उपयोग करें जितना अत्यावश्यक हो वरना ये लड़ाई और लम्बी खिंच सकती है और तब परेशानियां और ज्यादा हो जायेंगी। (लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

पूरी दुनिया को है कोरोना वैक्सीन का इंतजार

योगेश कुमार गोयल

माना जा रहा है कि कोरोना वायरस में इंफ्लुएंजा तथा दूसरे वायरसों जैसे तेजी से जेनेटिक संरचना बदलने के गुण नहीं होने के चलते अगर इस वायरस को रोकने के लिए कोई वैक्सीन बनती है या इससे प्रभावित मरीजों के लिए कोई कारगर दवा खोजी जाती है तो वह लंबे समय तक कारगर रहेगी। दरअसल इंफ्लुएंजा जैसे कई वायरस लगातार अपनी जेनेटिक संरचना बदलते रहते हैं जिस कारण उनके लिए हर बार नई वैक्सीन तैयार करनी पड़ती है लेकिन जेनेटिक संरचना नहीं बदलने के कारण कोरोना के खिलाफ लंबे समय तक काम करने वाला वैक्सीन बनाना आसान होगा। हालांकि अभी यह कह पाना मुश्किल है कि यह वैक्सीन कब तक तैयार होकर कोरोना मरीजों के लिए उपलब्ध हो सकती है। वैसे दुनियाभर के वैज्ञानिकों का कहना है कि जब कोरोना रोधी टीका बनकर तैयार हो जाएगा तब वह इतना प्रभावी होगा कि कोरोना संक्रमण को शरीर में घुसने ही नहीं देगा।

कोरोना कोविड.19 का संक्रमण लगातार घातक होता जा रहा है। इससे अभी तक दुनियाभर में करीब दस लाख लोग संक्रमित हो चुके हैए जिनमें से पचास हजार से अधिक की मौत हो चुकी है। इसका संक्रमण कितनी तेजी से फैला हैए उसका अनुमान इसी से सहज रूप से लगाया सकता है कि एक ओर जहां 22 जनवरी को केवल चीन में इसके कुल सात मरीज थेए वहीं करीब ढ़ाई माह बाद ही पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमितों की संख्या डेढ़ लाख गुना बढ़कर दस लाख के आंकड़े को पार कर गई है। भारत में कोरोना संक्रमण का खतरा अब जिस तेजी से बढ़ रहा हैए उसी को देखते हुए 22 मार्च को ष्जनता कर्फ्यूष् के बाद सामुदायिक तौर पर इसके संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए देश के अधिकांश राज्यों में लॉकडाउन या कर्फ्यू लगाने का फैसला लिया गया था लेकिन लोगों के न समझने पर अंततः प्रधानमंत्री के निर्देशों पर 24 मार्च की रात से पूरे देश में सम्पूर्ण लॉकडाउन घोषित किया गया।

हालांकि जगह-जगह से लॉकडाउन के उल्लंघन के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैंए जो चिंता का विषय है। भारत में कोरोना का पहला मामला 25 जनवरी 2020 को चीन के वुहान शहर से केरल लौटी एक युवती में मिला था और उसके कई दिनों बाद तक देश में कोरोना मरीजों की संख्या तीन तक ही सीमित रही थीए जिन्हें उपचार के बाद ठीक करने में सफलता भी मिली थी। 10 मार्च को देश में कोरोना मरीजों की संख्या 50 तक पहुंच गई थी। उसके बाद के चंद दिनों में यह आंकड़ा जिस तेजी से बढ़ाए उससे भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। 3 अप्रैल तक की तीन सप्ताह की इस अवधि में ही भारत में कोरोना मरीजों की संख्या 50 गुना बढ़कर 2500 के आंकड़े तक पहुंच गई है। एक ओर जहां पूरी दुनिया में कोरोना का खात्मा करने के लिए वैक्सीन की खोज पर तेजी से कार्य हो रहे हैंए वहीं विश्वभर में विशेषज्ञ यह आकलन करने में भी जुटे हैं कि

कोरोना का दायरा अभी और कितना भयावह हो सकता है। कोरोना से जहां पूरी दुनिया दहशत के साये में जी रही है और हजारों लोग मौत के मुंह में समा चुके हैंए वहीं दुनियाभर की अर्थव्यवस्था भी चौपट हो चुकी है। पुरानी महामारियों के आंकड़ों तथा गणितीय मॉडल के आधार पर यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो के शोधकर्ताओं ने तो यह निष्कर्ष भी निकाला है कि आने वाले दिनों में कोरोना संक्रमितों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ने वाली है। कोरोना संक्रमण के मामले में प्रत्येक व्यक्ति इसका वाहक बन सकता है और इस गणितीय मॉडल के मुताबिक ऐसी महामारी के प्रसार में सबसे बड़ी भूमिका उन लोगों की ही होती हैए जिनसे यह बीमारी फैलती है। पूरी दुनिया भली.भांति अब यह समझ भी चुकी है कि कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने का एकमात्र उपाय तमाम शहरों में लॉकडाउन किया जाना ही है ताकि लोग घरों से बाहर निकलकर एक.दूसरे के सम्पर्क में न आएं और इस फैलाव को रोका जा सके। कोरोना वायरस को लेकर राहत देने वाली बात यह सामने आई है कि यह वायरस इंफ्लुएंजा की भांति अपनी जेनेटिक संरचना तेजी से नहीं बदल रहा। यानी चार महीने पहले चीन के वुहान में उसकी संरचना जैसी थीए अब भी लगभग वैसी ही है। दरअसल सामान्य रूप से वायरस एक से दूसरे मानव शरीर के भीतर गुजरते समय अपनी संरचना बदलते रहते हैंए जिसे म्युटेशन कहते हैं लेकिन कोरोना वायरस में म्युटेशन की यह प्रक्रिया नहीं देखी जा रही है।

भारत में इस वायरस के स्वरूप पर नजर रख रहे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आईसीएमआर के वैज्ञानिकों के मुताबिक भारत में पाए गए कोरोना वायरस काफी हद तक एक समान हैं जबकि ये कई देशों में रहने वाले लोगों के माध्यम से भारत में पहुंचे हैं। आईसीएमआर के वैज्ञानिकों ने पाया है कि भारत में मिले कोरोना वायरस की जेनेटिक संरचना 99७9 फीसदी वुहान शहर में मिले वायरस के समान ही है। भारत के अलावा दुनिया के अन्य देशों में भी कोरोना वायरस की जेनेटिक संरचना काफी हद तक एक जैसी ही पाई जा रही है। हालांकि आईसीएमआर के वैज्ञानिकों का कहना है कि इस वायरस के बारे में अभी निश्चित रूप से कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उनका कहना है कि लंबे समय तक कोरोना वायरस पर नजर रखने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है।

बिहार

पुलिस के जवान बने कोरोना योद्धा

गोलू शुक्ला

बेतिया। चनपटिया एवं कुमारबाग़ की सड़कों पर दिन हो या रात पुलिस मुस्तैदी से लॉकडाउन का पालन करवाने में जुटी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक पुलिस अनाउंसमेंट कर कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक कर रही है। साथ ही अपील की जा रही है कि सभी लोग अपने-अपने घरों में रहे। अनाउंसमेंट के जरिए बताया जा रहा है किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान ना दे।

बता दें कि कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर पुलिस द्वारा लॉकडाउन को सफल बनाने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। दिन भर सड़कों पर सायरन बजा पुलिस की गाड़ियाँ दौड़ती है। शहर में लॉकडाउन है। शहरवासी घरों में कैद हैं, लेकिन इस परिस्थि में भी कोरोना वॉरियर्स के रूप में पुलिस अधिकारियों के जवान गली-मोहल्लों से लेकर बाजार तक सक्रिय हैं। रात के अंधेरे में कई चौक-चौराहों पर पुलिस जवान लॉकडाउन का पालन कराने के लिए गश्ती करते देखे गए। थानाध्यक्ष व पुलिस के जवान विपरीत परिस्थितियों में भी सडकों पर घूम लॉकडाउन का पालन कराने में जुटे हैं। कोरोना वॉरियर्स के रूप में पुलिस अधिकारियों को लोग सम्मानित भी कर रहे हैं। कोई थाना परिसर में सेनेटाइजर का छिड़काव कर रहा है तो कोई प्रमाण पत्र के साथ सेनेटाइजर व मास्क का वितरण कर रहा है। ईधर चनपटिया व कुमारबाग़ थानाध्यक्ष के कार्यो से लोग संतुष्ट भी दिख रहे हैं। लोगों का कहना है कि भारत बहुत जल्द कोरोना के खिलाफ लड़ाई में विजयी होगा।

लॉक डाउन में कुमारबाग पुलिस गरीब और असहाय के बिच किया राशन का वितरण

बेतिया/चनपटिया! कुमारबाग़ ओपी के थानाध्यक्ष राजीव कुमार रजक अपने क्षेत्र के गरीबों के लिए फरिश्ता बनकर उभरे हैं। लॉकडाउन के चलते दिहाड़ी मजदूरी करने वालों से लेकर क्षेत्र के निर्धन परिवारों की एक सूची बना असहाय लोगों के बीच थाना परिसर में ही 150 खाद्यान्न का पैकेट वितरण किया। इस दौरान वितरण कार्य मे लगे हुए सभी पुलिसकर्मियों ने सामाजिक व शारीरिक दूरी का भी पूरा ख्याल रखा। संकट की इस घड़ी में जरूरतमंदों के लिए संकट हरण बनकर आए दिन मास्क,सेनेटाइजर,खाद्यान्न आदि का वितरण कुमारबाग़ पुलिस के मानवीय और संवेदनशील चेहरा को दर्शाता है।थानाध्यक्ष राजीव कुमार रजक ने बताया कि

जनता की सुरक्षा और गरीबों की मदद पुलिस की जिम्मेदारी है। संकट की घडी में पुलिस पूरी तत्परता के साथ जनता की सेवा में है। मौके पर देवशरण महतो,जितेंद्र सिंह,विनोद कुमार,अमित पाण्डेय सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सांसद संजय सेठ बांटेंगे एक लाख पैकेट मोदी आहार

रांचीः लॉकडाउन को लेकर सांसद संजय सेठ द्वारा जरुरतमंद लोगों के बीच एक लाख मोदी आहार का वितरण रांची लोकसभा क्षेत्र में पड़ने वाले 6 विधान सभा क्षेत्र के जरुरतमंद लोगों के बीच किया जाएगा। इसे लेकर मोदी आहार की पैकेट बनाने का कार्य शुरु कर दिया गया है। सेवा कार्य को पूरा करने के लिए संजय पोद्दार,कमलजीत सिंह संटी, राज वर्मा, बैजू सोनी सुवेश पांडेय, नवनीत मेहता, सुजीत कुमार, शिवम सोनी सहित कई अन्य कार्यकर्त्ता तैयारी मे लगे है।

नगर निगम में होगा 31 जुलाई तक होल्डिंग टैक्स जमा

रांची : नगर निगम क्षेत्र में रहने वाले लोगों को नगर निगम ने बड़ी राहत दी है। वित्तीय वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही का होल्डिंग टैक्स, जल कर 31 जुलाई तक भर सकेंगे। एक माह देर होने के बाद किसी प्रकार की पैनाल्टी नहीं लगेगी। और 31 जुलाई तक पूरे वर्ष भर का होल्डिंग टैक्स जमा करनें वालो को 10 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी। नगर निगम की महापौर आशा लकड़ा के निर्देश के बाद यह निर्णय लिया गया है। नगर पालिका नियमावली के अनुसार वित्तिय वर्ष का होल्डिंग टैक्स अग्रीम जमा करनें पर पांच प्रतिशत और ऑनलाईन भुगतान करनें पर पांच प्रतिशत तक की छूट देनें का प्रावधान है। यह छूट तभी संभव है। जब पहली तिमाही 30 जून तक पूरा किया जाए। इसके साथ जलकर भुगतान करनें के लिए भी 30 जून तक का समय दिया गया है। जो लोग वित्तीय वर्ष 2019-20 का होल्डिंग टैक्स 31 मार्च तक जमा नहीं किया है। ऐसे लोगों को एक प्रतिशत पैनल्टी के साथ जमा करना होगा।

लॉकडाउन उल्लंघन मामले में रांची और धनबाद के सांसद पर प्राथमिकी दर्ज हो : कैलाश यादव

रांची : राजद लोकतांत्रिक के कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य प्रशासन से मांग किया की कि लॉकडाउन नियम उल्लंघन करने के मामले में रांची के सांसद संजय सेठ और धनबाद के सांसद पीएन सिंह पर अविलंब प्राथमिकी दर्ज करनी चाहिए। साथ ही दिल्ली से विशेष अनुमति पास जारी करने वाले पदाधिकारी एवं रांची के उपायुक्त राय महिमापत रे पर कर्तव्य हीनता में लापरवाही बरतने के खिलाफ निलंबन करने की अनुशंसित कर अविलंब कार्रवाई किया जाय। उन्होंने ने कहा कि लॉकडाउन सम्पूर्ण देश में कठोरता पूर्वक जारी है, केंद्र सरकार के आदेश पर संबंधित गाइडलाइंस के अनुसार सभी राज्यों एवं जिलों के बॉर्डर सील किया गया है। कोई भी व्यक्ति/विशेष व्यक्ति एक राज्य एवं जिलों से दूसरे राज्यो व जिलों में नहीं जा सकते है,अगर कोई व्यक्ति जबरन या किसी भी परिस्थिति में इसका नियम का उल्लंघन करते है तो उस पर कानूनी करवाई की जायेगी।

अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसर के साथ सौतेला व्यवहार

रांची : झारखंड असिस्टेंट प्रोफेसर अनुबंध संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. निरंजन महतो ने बताया कि झारखंड राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में कार्यरत अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। राज्य के राज्यपाल सह कुलाधिपति महोदया महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। इस बैठक में विश्वविद्यालयों के विभिन्न विषयों के साथ अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसर के मानदेय से जुड़ी विषय पर भी बात की गई। महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति महोदया ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को निर्देश दिया था कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में कार्यरत अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों को लॉक डाउन के समय का न्यूनतम मानदेय भुगतान किया जाए। इसके पश्चात भी अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों का मानदेय भुगतान नहीं किया जा रहा है। लॉक डाउन में मानदेय भुगतान नहीं होने के कारण आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है जिसके कारण परिवार का भरण-पोषण करने में कठिनाई उत्पन्न हो रहा है।

वार्ड 46 में सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित

रांची : शिव मंदिर निर्माण समिति कृष्णापुरी चुटिया की ओर से बुधवार को वार्ड 46 कार्यरत सभी सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। मौके पर सभी कर्मचारियों के बीच गमछा व घरेलू समाग्री का वितरण किया गया। मौके पर रूप से वार्ड पार्षद रीता मुण्डा भी उपस्थित थी। समिति के सत्येन्द्र रजक, सुरेंद्र कुमार व मंटू ने कहा कि कोरोना वायरस के चलते सभी अपने-अपने घरों में सफाई कर्मचारी अपने कार्यों का निर्वहन कर रहें हैं वहीं यह सभी कर्मचारी अपने जान की परवाह किये बिना अपने कार्य कर रहे है। इस मौके पर राजकुमार पाण्डेय, राजीव वर्मा, अंशु मिश्रा, दीपू चौधरी, संतोष रजक, छोटेलाल, विजय सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आज भी जारी रहा मजदूर यूनियन का सेवा कार्य

रांची : झारखंड प्रतिशील मजदूर यूनियन द्वारा लॉकडाउन के बाद प्रतिदिन जरुरतमंदों के बीच कच्चा राशन वितरण का कार्य लगातार जारी है। इस क्रम में आज भी यूनियन द्वारा 120 लोगों को कच्चा राशन दिया गया। यह जानकारी विक्रम सिंह ने दी।

केंद्रीय गाइड लाइन की समीक्षा के बाद झारखंड कुछ नये निर्देशों को जारी करने पर विचार करेगाः हेमंत सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि बुधवार को उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से बात की है। उन्हें बताया कि झारखंड में जांच की गति काफी धीमी है। इसके लिए टेस्ट लैब की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। इसके अलावा उनसे टेस्ट कीट उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया है। मुख्यमंत्री बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

लॉकडाउन को लेकर केंद्र सरकार के नये गाइड लाइन में झारखंड सरकार द्वारा कुछ नये निर्देशों को जोड़े जाने के सवाल पर सीएम ने कहा कि यह 10-15 पन्नों का है। उसकी राज्य सरकार समीक्षा कर रही है। वह आनेवाले दिनों में कितना व्यवहारिक होगा, उसके अनुरूप सरकार फैसला करेगी।

कुछ लोगों द्वारा लॉकडाउन का उल्लंघन किए जाने के सवाल पर सीएम ने कहा कि कुछ शरारती तत्व सक्रिय रहते ही हैं। इस तरह की विपरीत परिस्थिति में भी वे सक्रिय हैं। सरकार की उन पर कड़ी नजर है। उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महत्वपूर्ण बैठक में नवीन जयसवाल जिले के अन्य सभी विधायकों के साथ शामिल हुए

समाहरणालय सभागार में रांची के उपायुक्त एवं अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ कोरोनो की रोकथाम को ले कर एक महत्वपूर्ण बैठक में हटिया के विधायक नवीन जयसवाल जिले के अन्य सभी विधायकों के साथ शामिल हुए..बैठक में वैश्विक महामारी Covid-19 से बचाव हेतु जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे कार्यों के सुचारू रूप से संचालन पर विस्तृत चर्चा हुआ साथ ही रांची जिले के निजी अस्पतालों में उत्पन्न चिकित्सा समस्या एवं सबों को राशन उपलब्ध कराने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा किया गया

जरूरतमंदों के मददगार बने राधे सिन्हा

रांची : गरीब सुरक्षा सेवा मंच परिवार के संस्थापक झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राधे सिन्हा के नेतृत्व में लगातार 22 वे दिन कार्यकर्ताओं की टीम ने रांची शहर में जगह-जगह जाकर जरूरतमंदों एवं असहाय लोगों को भोजन कराया। गरीब सुरक्षा सेवा मंच परिवार के संयुक्त तत्वावधान में मंच के संरक्षक राजु झा,अध्यक्ष राधे सिन्हा के निर्देशन में सभी कार्यकर्ता लगातार 22 वें दिनों से रांची शहर में जगह-जगह जाकर गरीब मजदूर एवं असहाय लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

इस दौरान आम जनों को कोरोना से बचने हेतु आवश्यक सुझाव भी दिए गए। मौके पर मंच के प्रदेश अध्यक्ष राधे सिन्हा ने कहा की और सरकार की उपेक्षा का शिकार है। इस अभियान में प्रदेश अध्यक्ष राधे सिन्हा, संरक्षक राजु झा, संयोजक प्रदीप सिंह, उपाध्यक्ष सूरज कुमार, अमित सोनी, विशाल कुमार, राहुल वर्मा, अमन कुमार, प्रदीप सिन्हा, नेहा कुमारी रानी कुमारी, बरखा कुमारी, खुशी कुमारी की भूमिका उल्लेखनीय रही।

19 दिनों से लगातार भोजन करा रहे रोशन

रांची : छात्र युवा शक्ति के संस्थापक सह युवा कांग्रेस अध्यक्ष कुमार रौशन के नेतृत्व में लगातार 19वे दिन कार्यकर्ताओं की टीम ने शहर में जरूरतमंदों को भोजन कराया। युवा कांग्रेस एवम छात्र युवा शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में कुमार रौशन के निर्देशन में सभी कार्यकर्ता लगातार 19वें दिनों से गरीबों की सेवा में लगे रहे, आज टोप्पो कंपाउंड स्थित 150 परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। इस दौरान आम जनों को कोरोना से बचने हेतु आवश्यक सुझाव भी दिए गए। मौके पर कुमार रौशन ने कहा कि गुरुनानक स्कूल के बगल में स्थित टोप्पो कंपाउंड में 150 आदिवासी परिवार दयनीय स्थिति में जीवन गुजार रहे और सरकार की उपेक्षा का शिकार है। इस अभियान में महिमा सिन्हा, प्रभाकर सिन्हा, अंकित सिंह एवम रत्नेश सिन्हा की भूमिका उल्लेखनीय भूमिका रही।

पिस्का मोड़ में कच्चा अनाज का वितरण

रांची : पिस्का मोड़ के शारदा बैटरी गली लेन शांति नगर में जरूरतमंद ठेला, खोमचा एवं मजदूर के बीच में कच्चा अनाज का वितरण किया गया। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी संजय कुमार जयसवाल, भाजपा नेता व समाजसेवी ललित नारायण ओझा के प्रयास से कोई गरीब भूखा न रहे इसी उद्देश्य के साथ भाजपा घर-घर अनाज पहुँचाने का बीड़ा उठाया है। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार मुहल्लों में जाकर गरीबों को अनाज मुहैया करा रहा है। अनाज वितरण के वक्त जरूरतमंदों को लाइन में सोशल डिस्टेंसिंग का भी ख्याल रखा गया तथा जागरूकता अभियान भी चलाया गया। जिसमें मुख्य रूप मंतोष सिंह, सुखदेव नगर मंडल के उपाध्यक्ष राजकुमार जयसवाल, दीपक सिंह , तरुण कुमार जयसवाल, संदीप भगत, शुभम कुमार जयसवाल, अविनाश राय सहित उपस्थित थे।

सनातन एकता मंच ने गरीबों को बांटा भोजन

रांची : सनातन एकता मंच केंद्रीय कमिटी के द्वारा लॉकडाउन के कारण हो रही असुविधा को देखते हुए प्रतिदिन इंडस्ट्रियल एरिया नामकुम में गरीबों एवं जरूरतमंदो के बीच निःशुल्क सेवा शिविर लगाया जा रहा है। मंच के द्वारा चावल,दाल, सब्जी और अचार का वितरण किया जाता हैं। मंच के केंद्रीय अध्यक्ष रोहित कुमार ने कहा कि जब तक लॉकडाउन रहेगा ये सेवा शिविर चलता रहेगा,साथ ही मंच के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष समीर सिंह ने कहा कि हमारा प्रयाश है कि हम उन निचले स्तर के गरीब तबके के लोगों को भोजन उपलब्ध कराए ताकि कोई भी गरीब भूखा ना रहे। साथ ही मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष श्याम किशोर सिंह ने कहा कि खाना देते वक्त हमारे द्वारा सोशल डिस्टेनसिंग का पूरा ख्याल रखा जाता हैं। सेवा शिविर को सफल बनाने में मुख्य रूप से केंद्रीय उपाध्यक्ष विकाश सिंह,गौरव घोष, महासचिव अजित सिंह, मंत्री ममता सिंह, कोषाध्यक्ष अजय कुमार मंडल, सचिव पिंटू साहु, संजय वर्मा, अंकित सिंह, रंजय सिंह, गौतम प्रसाद, राज कुमार, अभिषेक चौरसिया, शुभआशीष चक्रवर्ती, अतुल रजक, राजा कुमार, विक्की रजक का सहयोग रहा।

लोगों ने उड़ाई सोशल डिस्टेंस की धज्जियां

रांची : कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने के बाद भी आज राजधानी में कई लोगो ने सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ाई। अपर बाजार के राशन की कई दुकानों पर लोग एक दूसरे से सट कर अपनी जरुरत के सामानों की खरीदारी करत देखे गए। वैसे दुकानदारो ने न तो ग्राहकों को सोशल डिस्टेंश बनानें की कोई पहल की न कोई व्यवस्था। सिर्फ अपने दुकान का सामान नियम की धज्जियां उड़ाकर सामान बेचते नजर आए। इसे लेकर कोतवाली थाना की पुलिस कई बार दुकान पर लगी ग्राहकों की भीड़ को सोशल डिस्टेंश बनाया। इसके बाद जैसे ही पुलिस वहां से हटी फिर वही लोग एक दूसरे से सट कर अपनी जरुरत के सामानों की खरीदारी की। इसके अलावा कई सब्जी बाजारों में भी लोग भीड़ लगाकार और बिना सावधानी बरते लोग सड़क पर आवा जाही करतक देखे गए। वैसे लोगों को राजधानी के कई चौक-चौराहों और अन्य स्थानों पर तैनात पुलिस कर्मियों ने लॉकडाउन का उल्लंघन करने कई लोगो पर कार्रवाई की गई।

समाज सेवा की दो तस्वीरें दिखायी दे रही हैं

एक तस्वीर खिचवाने वाले दूसरा मानव सेवा करने वाले

संदीप जैन

रांचीः कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश में लॉकडाउन जारी है। इसे लेकर जरुरतमंदों की सेवा करनें के लिए कई दानवीर, समाजसेवी, धार्मिक संगठन, राजनीति संगठन के लोग अपनी-अपनी तरीके से जरुरमतंदों की सेवार कार्य कर रहे हैं। कोई जरुरतमंदों के यहां कच्चा राशन,जरुरम के सामान पहुंचाकर सेवा कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा कुछ लोग खाना की व्यवस्था करनें का कार्य कर रहे हैं। इसक्रम में समाज के समाजसेवा कार्य करनें वाले लोगों की दो तस्वरी दिखायी पड़ रही है। समाज के एक बड़ा तबका ऐसा है। जो समाज सेवा के सहारे अपनी तस्वीर समाचार पत्रों, फेसबुक, सोसलमीडिया का उपयोग कर की गई सेवा कार्य का बखान करते नहीं थक रहे हैं। वही समाज के समाजसेवियों का एक वर्ग ऐसा भी है। जो संकट की इस घड़ी में जरुरतमंदों की सेवा कार्य मानव सेवा का धर्म कर कर रहे हैं। जो जरुरतमंदों को चिन्हीत कर जरुरतमंदों की जरुरतों का सामान उनके आवास तक पहुंचाकर सेवा कार्य कर रहे हैं। इसमें युवा से लेकर बुजुर्ग, महिलाएं भी अपना हाथ बंटा कर सेवा कार्य को सफल बनानें में लगी हैं।

नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति ने बांटा अनाज

रांची : कोविड-19 कोरोना वायरस वैश्विक संक्रमण के बीच आज लगातार 13वाँ दिन भी लोक डाउन के कारण निर्धन गरीब, असहाय, दिहाड़ी मजदूरों एवं दिव्यांग जनों के बीच खाद्य सामग्री (चावल, दाल, नमक, आलू एवं नहाने का साबुन) वितरण किया गया। नवयुवक संघ दुर्गा पूजा समिति, लोअर चुटिया एवं शिव मंडा पूजा समिति, चुटिया रांची के तत्वधान में जिसमें समिति सदस्यों एवं चुटिया के समाजसेवी जनों के सौजन्य से केतारी बागान एवं शिवपुरी, महादेव टोली, महादेव मण्डा, सामलौंग नया टोली में वितरण किया गया। चुटिया के समाजसेवी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और खुलकर खाद्य सामग्री समिति को भेंट कर रही है। इसमें समिति के अध्यक्ष राजकुमार महतो, राधेश्याम केसर, मदन सिंह, पितांबर महतो, मनोज गोप, धनंजय ठाकुर, संजय प्रसाद, प्रमोद गोप, मिथिलेश गोप, भोला केशरी, कमल सिंह, चुत्रु गोप गोविंदा यादव, धनंजय सिंह, गौतम महतो, रोहन भोक्ता, सूरज सिंह, निखिल शामिल हुए।

सख्त हुई पुलिस, सड़क पर गाड़ी देखते ही जब्त करने का आदेश

कोरोना संक्रमित जिले को तीन जोन में बांट कर होगी पुलिस की विशेष तैनाती

संवाददाता

रांची : झारखंड पुलिस कोरोना संक्रमण के चेन को तोड़ने और लॉकडाउन के अवधि विस्तार को देखते हुए नई योजना बनाई है। जिस योजना के तहत प्रदेशभर में पुलिस की तैनाती होगी। योजना के तहत पुलिस जिले या शहर को तीन जोन ग्रीन, ऑरेंज और रेड में बांटेगा। अभी पुलिस शहर या जिले को जोन में बांट कर ड्यूटी नहीं दे रही है। मगर पुलिस की नई योजना के तहत जहां कोरोना का कोई मामला नहीं है, इसे ग्रीन जोन माना जाएगा। इसके साथ जहां अधिक मामले हैं, जैसे रांची में हिंदपीढ़ी, ऐसे क्षेत्र को रेड जोन के तहत रखा जाएगा। बाकी जिले या शहर जहां कम मामले सामने आए हैं, वे ऑरेंज जोन के तहत आएंगे।

जोन के तहत ही 25 मार्च से 14 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में पुलिस ने ड्यूटी दी। मगर अब जोन को कोरोना संक्रमण के आंकड़ों को देखते हुए निर्धारित किया जाएगा। 3 मई तक के लॉकडाउन में पुलिस और सख्ती से अपना काम करेगी। सड़कों पर बेवजह वाहन निकालने वालों पर तुरंत कार्रवाई करने, गाड़ी जब्त करने और लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। जो अभी नहीं हो रहा था। मगर अब पुलिस बेवजह सड़कों पर घूमने वालों पर ऑन स्पाट कार्रवाई करेगी। वहीं एक जोन से दूसरे जोन में लोगों को आने जाने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी जाएगी।

रेड जोन : जिन जिलों में सबसे ज्यादा केस व हॉट स्पॉट होंगे। यहां कोई गतिविधि नहीं होगी।

ऑरेंज जोन : जहां कुछ ही केस मिले और पॉजिटिव मामले नहीं बढ़े। इन क्षेत्रों में विशेषज्ञों की राय के बाद गतिविधि शुरू करने को लेकर निर्णय लिया जा सकता है।

ग्रीन जोन : जहां एक भी केस नहीं। इन क्षेत्रों में सामाजिक दूरी बनाते हुए काम काज किए जा सकेंगे।

नामकुम प्रभारी ने लोगों को कराया भोजन

संवाददाता

रांची : नामकुम थाना प्रभारी प्रवीण सिंह के नेतृत्व में सदाबहार चैक स्थित जरूरतमंद लोगों के भोजन वितरण किया गया। इस दौरान करीब 300 जरूरतमंद लोगों के बीच रोटी व सब्जी का भोजन कराया गया। मौके पर उपस्थित लोगों से थाना प्रभारी ने बताया कि जब से लॉक डाउन होने के बाद से यहां के सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा जरूरतमंद लोगों को जो व्यवस्था की गई और प्रतिदिन लोगों सैकड़ों लोगों की व्यवस्था की जाती है। इस तरह कदम बहुत ही सराहनीय है और प्रशासन की ओर से जो सहयोग होगा उसे पूरा करेंगे। वहीं लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस महामारी कोरोना वायरस बचने के लिए मात्र एक ही उपाय है कि सभी जरूरी काम होने पर ही निकले प्रशासन का सहयोग करें। वहीं इस मौके पर समाजसेवी विमल घोष व शत्रुधन सिंह ने कहा कि उक्त स्थल पर हम सभी समाजसेवी मिलकर प्रतिदिन यहां के आसपास के लोगों को खोजकर व सूची तैयार जरूरतमंद लोगों भोजन कराने की व्यवस्था की जाती है। इस मौके पर मुख्य रूप से खिचरी के मुखिया राम अवतार जीप सदस्य आरती कुजूर मनोज ठाकुर, देवपन दास, अशोक महतो प्रदीप घोष निर्मल घोष देवदास देवपन दास भास्कर मोनू केसरी अजीत महाकाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

राजद परिवार रोज एक हजार लोगों को करा रहा भोजन

रांचीः राजद परिवार जरुरमंदो को लॉकडाउन के बाद से प्रतिदिन रिम्स परिसर में जरुतत मंदो को सुबह और शाम में भोजन की व्यवस्था करा रहा है। राजद प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने बताया कि अब तक लगभग 20 हजार से ज्यादा लोगों को लॉकडाउन के बाद से भोजन कराया जा चुका है। और जब तक लॉकडाउन जारी रहेगा तब तक राजद परिवार जरुरतमंदों को अपनी निरंतर भोजन सेवा देता रहेगा। तीन मई के बाद भी अगर जरुरत पड़ने पर लॉकडाउन का समय बढ़ाया जाएगा तो उसके बाद भी सेवा कार्य जारी रहेगा। श्री सिंह नें बताया कि प्रतिदिन नौ सौ से एक हजार लोगो को शुद्ध भोजन सोशल डिस्टेससिंग के साथ कराया जा रहा है। इस मानव सेवा के कार्य में कमलेश यादव, राजेश यादव, संतोष, रंजन सहित कई राजद कार्यकर्त्ता अपनी सेवा दे रहे हैं।

चुटिया में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बांटा अनाज

रांची : चुटिया क्षेत्र के भा ज पा कार्यकर्ताओं के द्वारा लगातार ग्यारहवें दिन भी जरूरतमंदो की यथा संभव मदद जारी रखी। रोजाना बीस से तीस जरूतमंदों को नाज एवं आवश्यक चीजें दिया जा रहा है। इसी क्रम में आज चुटिया क्षेत्र में रहने वाले किरायेदारों को आटा, दाल, चावल, तेल, सब्जी, नमक एवं हल्दी का वितरण किया। तथा उनसे आग्रह किया कि जिस प्रकार कोरोना के मरीजो की संख्या रांची में बढ रही उससे बचाव के लिए लॉक डाउन का पालन करें और घरो से बाहर ना ताकि इस महामारी से जल्द निजात पा जा सखे और देश जल्दी से जल्दी प्रगति की राह पर आगे बढे। इस अभियान में छत्रधारी महतो , रवि सिह , रूपेश केशरी , जनार्दन शाह , मनोज मंडल , पिंकी सिह , ममता देवी , अनिता वर्मा , ललिता ओझा अमर देव गौतम महतो शामिल थे।

मारवाड़ी युवा मंच ने मजदूरों में बांटी खिचड़ी

रांची : मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के द्वारा इंदिरा पैलेस के समीप सफाई कर्मियों के बीच खिचड़ी का वितरण किया गया। लगातार लॉक डाउन के बाद से या कार्य मारवाड़ी युवा मंच कर रही है। तत्पश्चात पोखर टोली मिलन चौक के समीप ग्रामीणों के बीच खिचड़ी का वितरण किया गया। मंच के पूर्व अध्यक्ष सुरेश बोथरा ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर आज का पूरा खर्च वहन किया और उसके बाद मंच के सदस्य थैलेसीमिया के पेशेंट के लिए रक्तदान करेंगे। इस सेवा में मंच के प्रांतीय उपाध्यक्ष रोहित शारदा पूर्व अध्यक्ष बलबीर जैन, सुरेश बोथरा, राजीव केडिया, पवन अग्रवाल, विजय सुल्तानिया, ऋषभ रामपुरिया सहित अन्य सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

सुझाव

डाइट में शामिल करें जुकिनी की सब्जी, हैं कई फायदे

जुकिनी गर्मियों के मौसम मे मिलने वाली एक सब्जी है, जो स्वाद में कद्दू से मिलती-जुलती और लौकी परिवार से है। जुकिनी कई किस्मों क होती है, जिसमें यह पीले और गहरे हरे रंग की होती हैं। जुकिनी को कई तरीके से खायी और पकायी जाती है। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्वों से भरपूर है। यह आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने और कई बीमारियों को दूर रखने में मददगार है। जुकिनी में पानी की मात्रा अधिक होती है और कैलोरी, कार्ब्स और शुगर काफी कम मात्रा में होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व आपको डायबिटीज, मोटापा और दिल की बीमारियों से दूर रखने में मददगार हैं। आइए देखें जुकिनी खाने के फायदे।

1- एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

जुकिनी की सब्जी एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर है, जो आपके शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मददगार है और उम्र बढ़ने के संकेतों को धीमा करने में भी सहायक है। यह आपकी आंखों, त्वचा और दिल की सेहत के लिए भी अच्छा है। जुकिनी में मौजूद विटामिन सी, ल्यूटिन, ज़ेक्सैन्थिन और बीटा कैरोटीन आपकी आंखों को स्वस्थ रखता है और मोतिबिंद या उम्र से संबंधित अन्य आंखों की स्थितियों के जोखिम को भी कम करता है।

2- पाचन के लिए अच्छा है

जुकिनी आपके पाचन को बढ़ावा देता है और यह आपको मल त्यागने में भी मदद करता है। इसमें पानी की मात्रा होती है, जिससे कब्ज और पाचन संबंधी अन्य समस्याओं की संभावना कम हो जाती है। इसमें घुलनशील फाइबर भी होता है, जो शरीर में स्वस्थ बैक्टीरिया को पैदा करता है और यह इंफ्लमेशन को कम करने में मदद करता है।

3- वजन घटाने में मददगार

जुकिनी पानी और फाइबर की अधिक मात्रा और कैलोरी में कम है। जिसकी वजह से आप लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कर सकते हैं और आपकी भूख को नियंत्रित करता है। यही वजन है कि जुकिनी आपके वजन कम करने में मदद कर सकता है।

4- ब्लड शुगर कम करने में सहायक

जुकिनी एक लो कार्ब आहार है, जो डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। अध्ययन ओर हेल्थ एक्सपर्ट डायबिटीज रोगियों को लो कार्ब डाइट की सलाह देते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकती है। इसके अलावा, जुकिनी हाई फाइबर से भरपूर है, जो कि हाई ब्लड शुगर के रोगियों के लिए अच्छा है।

5- दिल की सेहत में सुधार

जुकिनी में मॉजूद पोषक तत्व आपको एर्नेजेटिक रहने में मदद करते हैं और इसमे मौजूद फाइबर खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है। जिस कारण जुकिनी को दिल के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा जाना जाता है क्योंकि य हृदय रोगों की संभावना को कम करने में मददगार है। इसके अलावा, यह आपके हाई ब्लड प्रेशर लेवल को कंट्रोल रखने में भी मददगार है। आपका बल्ड प्रेशर और हृदय स्वास्थ्य भी एक-दूसरे से जुड़े हैं।

कोरोना को हराने के लिए देश तेजी से बढ़ रहा है आगे

कोरोना वायरस ने दुनियाभर के लोगों को दहशत में डाल रखा है। लोग टीवी और समाचार में लगातार बढ़ते आंकड़ों के कारण चिंतित हैं। वहीं बाजारों में इसी अफरा-तफरी के कारण मास्क और सैनेटाइजर की कीमतों में भारी उछाल आ गया है। लेकिन क्या आपने एक बार भी सोचा कि क्या सचमुच आपको इतना डरने की जरूरत है? जवाब है, नहीं! आपको डरने की जरूरत बिल्कुल नहीं है, बल्कि सिर्फ सावधान रहने की जरूरत है।

ये बात सच है कि दुनिया के कई देशों में में लाखों की संख्या में लोग कोरोना का शिकार हुए हैं और हर रोज हजारों की संख्या में मर रहे हैं। इटली, अमेरिका, स्पेन, चीन आदि देशों में कोरोना वायरस की वजह से स्थितियां बदतर हो गई हैं। लेकिन भारत में ये वायरस अन्य देशों की अपेक्षा काफी देरी से आया है। इसलिए भारत सरकार और तमाम स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे लेकर अच्छी खासी तैयारी में थे। यही कारण है कि 135 करोड़ की आबादी वाले देश में अभी तक कोरोना वायरस के पीड़ितों की संख्या लगभग 9000 हुई है, जबकि इनमें से 857 मरीजों को पूरी तरह ठीक करके घर वापस भी भेज दिया गया है।

कोविड-19 को ठीक किया जा सकता है एक अफवाह और भ्रम जो लोगों के बीच इस समय सबसे ज्यादा फैला हुआ है, वो ये है कि कोरोना वायरस को ठीक नहीं किया जा सकता है और इसकी चपेट में आने वाले लोगों की मौत निश्चित है। ये बात पूरी तरह भ्रम है । स्वास्थ्य विशेषज्ञों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए कोई दवा नहीं बनाई जा सकी है। मगर इसकी चपेट में आए लोगों को सामान्य इलाज के द्वारा और थोड़े दिन आइसोलेशन में रखकर बिल्कुल ठीक किया जा

सकता है। दुनियाभर में अभी तक कोरोना वायरस के 18 लाख से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से लगभग 4 लाख 23 हजार लोगों को पूरी तरह ठीक कर लिया गया है और अब वे अपने-अपने घरों में सामान्य जीवन जी रहे हैं। अच्छी बात ये है कि चीन, इटली, स्पेन, ईरान और अमेरिका जैसे देशों की तरह भारत में कोरोना वायरस कम्यूनिटी लेवल पर नहीं पहुंचा है।

कोविड-19 को ठीक किया जा सकता है

एक अफवाह और भ्रम जो लोगों के बीच इस समय सबसे ज्यादा फैला हुआ है, वो ये है कि कोरोना वायरस को ठीक नहीं किया जा सकता है और इसकी चपेट में आने वाले लोगों की मौत निश्चित है। ये बात पूरी तरह भ्रम है और इसमें तनिक भी सच्चाई नहीं है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (W H O) के अनुसार कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए कोई दवा नहीं बनाई जा सकी है। मगर इसकी चपेट में आए लोगों को सामान्य इलाज के द्वारा और थोड़े दिन आइसोलेशन में रखकर बिल्कुल ठीक किया जा सकता है। दुनियाभर में अभी तक कोरोना वायरस के 18 लाख से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से लगभग 4 लाख 23 हजार लोगों को पूरी तरह ठीक कर लिया गया है और अब वे अपने-अपने घरों में सामान्य जीवन जी रहे हैं।

किन्हें बरतनी है ज्यादा सावधानी?

कोरोना वायरस से चिंतित होने की जरूरत उन लोगों को है, जो पहले ही किसी गंभीर बीमारी से पीड़ति चल रहे हैं, जैसे- कैंसर, एड्स, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज आदि। ऐसे लोगों के शरीर की इम्यूनिटी सामान्य लोगों से कमजोर होती है, इसलिए इन्हें विशेष सावधानी की जरूरत है। किसी बीमारी से पीड़ति चल रहे लोगों को एहतियात के तौर पर ये हिदायत दी जाती है कि वे जरूरी न हो तो यात्रा न करें और भीड़-भाड़ वाली जगह पर न जाएं। अपने हाथों को साबुन से बार-बार धोते रहें और अगर कहीं बाहर निकल रहे हैं, तो अपने साथ सैनिटाइजर रखें, ताकि नाक, मुंह और आंख पर हाथ लगाने से पहले हाथों को साफ किया जा सके।

देश भर से आ रही हैं अच्छी खबरें

कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोग अब ठीक होकर अपने-अपने घरों को लौटने लगे हैं। भारत के केरल में जिन 3 लोगों में कोरोना वायरस का सबसे पहला मामला सामने आया था, उन्हें महीनों पहले ही ठीक करके डिस्चार्ज कर दिया गया था। दिल्ली में पहला और भारत में चौथा कोरोना वायरस का जो मरीज पाया गया था, उसे भी अब हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया है और अब वो पूरी तरह ठीक है। इसी तरह राजस्थान में कुल 21 मरीजों को पूरी तरह ठीक किया जा चुका है। यूपी में 46 मरीजों को और हरियाणा में 29 और महाराष्ट्र में 217 मरीजों को पूरी तरह ठीक किया जा चुका है।

जानकारी

नींबू पानी नहीं नींबू कॉफी के साथ करें दिन की शुरुआत

कॉफी न केवल एक स्वादिष्ट पेय पदार्थ है बल्कि दिन की धमाकेदार शुरुआत करने का एक शानदार तरीका भी है। यह आपके मूड को न केवल बेहतर बनाता है बल्कि आपको ध्यान केंद्रित करने में भी मदद करता है और पूरे दिन आपको ऊर्जावान भी बनाए रखता है। इस प्रसिद्ध पेय के कई फायदे हैं, लेकिन कई स्वास्थ्य एक्सपर्ट कॉफी से स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभावों के बारे में भी बात कर चुके हैं। सामान्य तौर पर, कॉफी वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए भी अच्छी मानी जाती है। लेकिन यहां हम ब्लैक कॉफी का जिक्र कर रहे हैं, जिसमें न तो दूध होता है और न ही शुगर। वजन घटाने के लिए कई डाइट प्लान में ब्लैक कॉफी की सलाह दी जाती है। इस लेख में हम वजन कम करने के एक और अच्छे संबंध पर चर्चा करेंगे, जिसे उन लोगों के लिए लिए बढ़िया माना जाता है, जो वजन घटाने में लगे हुए हैं। ये संबंध है कॉफी और नींबू, जिनका सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा है।

क्या है कॉफी और नींबू का संबंध

कॉफी और नींबू दोनों ही वजन घटाने के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं। लेकिन अब तक आपने इन्हें व्यक्तिगत रूप से इस्तेमाल किया होगा। ज्यादातर लोग नींबू और कॉफी का मिश्रण पीते हैं, यह मानते हुए कि यह वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है।

कॉफी के फायदे

कॉफी में कैफीन, थियोब्रोमाइन, थियोफिलाइन और क्लोरोजेनिक एसिड जैसे जैविक रूप से सक्रिय यौगिक होते हैं, जो वजन घटाने की प्रक्रि या को तेज करते हैं। यह ऊर्जा के रूप में शरीर द्वारा उपयोग की जाने वाली वसा कोशिकाओं को ब्रेक करते हैं, जिससे वजन तेजी से घटता है।

नींबू के फायदे

नींबू का रस मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है, यही कारण है कि रोजाना सुबह नींबू पानी पीने की सलाह दी जाती है। यह शरीर से अवांछित विषाक्त पदार्थों और धातुओं को बाहर निकालने का काम करता है। यह लिवर में पित्त रस के उत्पादन में मदद करता है, जो आगे पाचन और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।

वजन कम करने में फायदेमंद कॉफी-नींबू का मिश्रण

कॉफी व नींबू के मिश्रण में अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर को अत्यधिक मात्रा में मुक्त कणों के हानिकारक प्रभाव से बचाते हैं।

मिश्रण कैसे बनाएं: एक कप गर्म पानी में आधा चम्मच कॉफी डालें। इसमें आधा चम्मच नींबू डालें और इसे अच्छी तरह मिलाएं।

इसे कब पीना चाहिए: एक्सरसाइज करने से कम से कम 30 मिनट पहले इस मिश्रण को पीना चाहिए।

लॉकडाउन में भी

लॉकडाउन में आप चाहकर भी खाने पर कंट्रोल नहीं कर पा रहे होंगे। जब सब सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं और घर में कैद हैं, ऐसे में लगभग हर कोई रसोई में कुछ नयी डिश बना रहे होंगे। लेकिन खाने के प्रति खुद को कंट्रोल कर पाना और लगातार बढ़ रही तोंद आपको चिंता में डाल रही होगी। आइए यहां हम आपको कुछ कोर एक्सरसाइज बता रहे हैं, जिन्हें आप इन दिनों घर पर आसानी से कर सकते हैं। यह आपको मजबूत कोर यानि 6-पैक और पेट को फ्लैट बनाने में मदद करेंगी।

रशियन ट्विस्ट

रशियन ट्विस्ट, यह एक कोर एक्सरसाइज है, जो कोर को मजबूत करने और आपकी रीढ़ में स्थिरता बनाने में मददगार है। यह आपके पेट के फैट

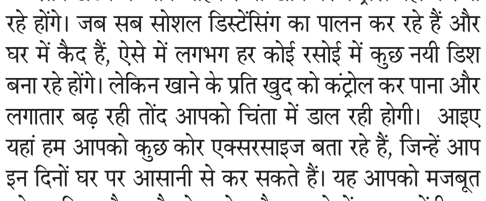

को कम करके आपको स्लिम फिगर पाने में मदद कर सकती है।

प्लैंक

प्लैंक भी एक कोर एक्सरसाइज है, जिसके कि कई फायदे हैं। यह न केवल आपके पेट की मांसपेशियों पर काम करती है, बल्कि यह आपकी गर्दन, कंधे को भी मजबूत करती है।

सिट-अप्स

सिट-अप एक्सरसाइज आपके पेट के निचले और ऊपरी पेट की मांसपेशियों पर काम करके तेजी से फैट बर्न करने में मदद करती है। यह शरीर के लचीलेपन में भी सुधार करने और संतुलन बनाने में मदद करती है। इससे भी आप तेजी से कैलोरी बर्न कर सकते हैं।

बोट पोज

बोज पोज, थोड़ा कठिन जरूर लग सकती है, लेकिन यह काफी प्रभावी एक्सरसाइज है। यह आपके पेट, कूल्हे और रीढ़ को मजबूत करती है।

यह बेहतर किडनी और थायरॉइड फंक्शन को भी उत्तेजित करती है और पाचन समस्याओं और तनाव से राहत देने में मददगार है।

कोरोना से बचाव में घरेलू उपचार ने 10 लोगों को पहुंचाया अस्पताल

क्लोरोक्विन

क्लोरोक्विन फॉस्फेट के रूप में भी जाने जानी वाली इस एंटी-मलेरिया दवा को चीन और फ्रांस में कोरोना से पीड़ित लोगों पर प्रयोग करने की कोशिश की गई है। टॉड कोपरमैन, एमडी, कंज्यूमरलैब डॉट कॉम के संस्थापक का कहना है कि एक अध्ययन में परीक्षणों के परिणामों से साफ हुआ है कि कई निष्कर्षों में इसके परिणाम मिले-जुले हैं जबकि अमेरिका में वर्तमान में अधिक औपचारिक परीक्षण हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह आपकी कोरोना से बचाव करने में मदद कर सकती है।

दुनिया भर के वैज्ञानिक वैश्विक महामारी कोरोनावायरस की तोड़ के लिए टीके की जांच कर रहे हैं ताकि संक्रमण से पीड़ित लोगों को बचाने में मदद की जा सके। हालांकि अभी तक कोरोना के नुकसान को कम करने के लिए कोई चमत्कारी उपचार नहीं मिल पाया है लेकिन तमाम वेबसाइट और सोशल मीडिया पर ऐसे बहुत से घरेलू उपचार हैं, जो गैर सैद्धांतिक हैं और बिना मंजूरी के लोगों की मदद करने का दावा कर रहे हैं। इन्हीं दावों को सच मानकर देश भर में बहुत सारे लोग कोरोनावायरस से खुद को सुरक्षित रखने के लिए घरेलू उपचार पर टिकटोक वीडियो को फॉलो कर रहे हैं। हाल ही में आंध्र प्रदेश के चितूर जिले के दो परिवारों के 10 सदस्यों ने कोरोनावायरस से सेफ रहने के लिए धतूरे के बीजों से बने रस का सेवन किया, जिसके बाद सभी की हालत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि सभी की हालत अब ठीक हैं उन्हें इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। इस खबर से ये सीख मिलती है कि हमें सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे किसी भी वीडियो के संपर्क में नहीं आना चाहिए क्योंकि ये आपके स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकता है। केवल ये ही बल्कि ऐसे बहुत से तरीके हैं, जिन्हें सच मानकर लोग अपना रहे हैं जबकि ये सिर्फ आपके लिए घातक साबित हो सकते हैं।

सिल्वर सॉल्यूशन

इस सॉल्यूशन में सिल्वर के छोटे-छोटे छींटों वाला एक तरल पदार्थ होता है, जिसे आप डायटरी सप्लीमेंट के रूप में खरीद सकते हैं। सिल्वर कोई आवश्यक मिनरल नहीं है जैसे कि जिंक, जिसकी हमें (कम मात्रा में) इम्यूनिटी स्वास्थ्य और चिकित्सा के लिए जरूरत होती है। सिल्वर का हमारे शरीर में कोई कार्य नहीं है, इसलिए यह कोई उपयोगी डायटरी सप्लीमेंट नहीं है बल्कि यह वास्तव में लोगों के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है।

ब्लीच किट

इन सॉल्यूशन को अक्सर चमत्कारी मिनरल सॉल्यूशन कहा जाता है और इस सोडियम क्लोराइट सॉल्यूशन को नींबू के रस जैसे एसिड के साथ मिलाकर बनाया जाता है। FDA ने 2019 में इन उत्पादों को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की थी। वहीं उपभोक्ताओं को सलाह दी कि इसका सेवन ठीक ऐसा है कि वे ब्लीच पी रहे हैं। इतना ही नहीं ये भी कहा जाता है कि सोडियम क्लोराइट एक खतरनाक उत्पाद हैं।

रेसिपी

तवा पनीर टिक्का

सामग्री

दही- 1/2 कप,हल्दी- 1/2 टीस्पून
लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून
धनिया पाउडर- 1/2 टीस्पून, जीरा पाउडर- 1/4 टीस्पून,गरम मसाला- 1/2 टीस्पून
कसूरी मेथी- 1/2 टीस्पून,चाट मसाला- 1/2 टीस्पून,अदरक लहसुन पेस्ट- 1 टीस्पून
अजवायन- 1/4 टीस्पून,रोस्टेड बेसन- 2 टीस्पून
नींबू का रस- 1 टेबलस्पून,नमक- स्वादनुसार
ऑयल- 3 टीस्पून,प्याज- 1/2 कप (मोटा कटा हुआ)
शिमला मिर्च- 1/2 कप
पनीर- 5 क्यूब्स

विधि

सबसे पहले एक बाउल में दही, हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, गर्म मसाला, कसूरी मेथी, चाट मसाला, अदरक लगसुन पेस्ट, अजवायन, रोस्टेड बेसन नमक और नींबू का रस डाल कर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसे मिक्स करने के बाद इसमें प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर, पनीर और ऑयल को डालकर अच्छी तरह मिक्स करके 30 मिनट तक मेरिनेट होने के लिए रख दें। अब सीख में शिमला मिर्च, प्याज, पनीर टमाटर को डाल लें। इसी तरह सभी सीख में इन्हें डाल लें। नॉन स्टिक तवे पर ऑयल डाल कर सीख पनीर को दोनों तरफ से अच्छी तरह रोस्ट करें। आपका तवा पनीर टिक्का बन कर तैयार है। अब आप इसे ग्रीन या रेड सॉस के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

आमलेट सैंडविच

सामग्री

- अंडा - 2, शिमला मिर्च - 4 चम्मच
हरी मिर्च - 2, नमक - 1/2 छोटा चम्मच
काली मिर्च - 1/2 छोटा चम्मच, तेल - 1 बड़ा चम्मच
ब्रेड स्लाइस - आवश्यकतानुसार
कैचअप - आवश्यकतानुसार
पनीर स्लाइस - आवश्यकतानुसार
मक्खन - आवश्यकतानुसार

विधि

एक बाउल में 2 अंडें तोड़कर डालें। फिर इसमें 4 चम्मच शिमला मिर्च, 2 हरी मिर्च, 1/2 छोटा चम्मच नमक, 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। मध्यम आंच पर एक पैन में 1 बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। इसके बाद अंडे के मिश्रण को इसमें डालकर फैलाएं। इसे तब तक पकाएं जब तक कि यह दोनों साइड्स से सुनहरा भूरा न दिखन लगे। अब चाकू की सहायता से इसे समान भाग में काट लें। अब एक ब्रेड स्लाइस लें और उस पर आवश्यकतानुसार कैचअप लगाएं। इसके बाद इस पर आमलेट और पनीर स्लाइस रखकर दूसरी ब्रेड स्लाइस के साथ कवर कर दें। फिर मध्यम आंच पर एक पैन रखें और इस पर थोड़ा सा मक्खन लगाकर गर्म करें। उस पर तैयार की गई ब्रेड स्लाइस को रखकर दोनों साइड्स से सुनहरा भूरा होने तक सेक लें। आपका आमलेट सैंडविच तैयार है। इसे सर्व करें।

बरेली में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या

बरेली : बरेली जिले में भाजपा नेता यूनुस अहमद डम्पी की मंगलवार देर रात उनके घर के बाहर चार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। नेता को गोलियों से छलनी कर दिया गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हमलावर आसानी से मौके से भाग निकले। मृतक बरेली में भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का उपाध्यक्ष थे।परिवार के सदस्यों के अनुसार भूमि विवाद के चलते डम्पी, सिराजुद्दीन, इसामुद्दीन और आसिफ के साथ बंद था। उनके खिलाफ दो साल पहले बारादरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। परिवार के एक सदस्य ने कहा, ये तीनों एक और व्यक्ति के साथ आए और डम्पी को गोलियों से छलनी कर दिया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, चारों भाग गए। उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया था कि उनके बाहर निकलने से पहले डम्पी मर जाए।सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शैलेश कुमार पांडे मौके पर पहुंचे। जिले के सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं को सील कर दिया गया है। पुलिस ने भी अपराधियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और एसएसपी ने कहा है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कलयुगी बेटे ने मां को पीट-पीटकर मार डाला

भभुआ : बिहार में कैमूर जिले के चांद थाना क्षेत्र के बहेरियां गांव में आज कलयुगी पुत्र ने अपनी मां की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि बहेरियां गांव निवासी कमलेश बिंद ने अपनी मां घरतलाशी देवी (60) की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। सूत्रों ने बताया कि आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

पिता ने पुत्र की गोली मारकर की हत्या

गोपालगंज: बिहार के गोपालगंज में मंगलवार की रात मामूली विवाद के दौरान तैश में आए शिक्षक ने पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी। इतने में भी जब क्रूर पिता को सुकून नहीं मिला तो उसने बेटे के शव को जला दिया। वारदात बरौली थाना क्षेत्र के गंगा हाता गांव में हुई। ग्रामीणों से सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे एसपी मनोज कुमार तिवारी ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। आरोपित शिक्षक अवधेश पंडित तथा घर के सभी सदस्य फरार हो गए हैं। मृतक की पहचान आशुतोष आनन्द (19) के रूप में हुई है।मिली जानकारी के अनुसार बरौली थाना क्षेत्र के गंगा हाता गांव में अवधेश पंडित अपने परिवार के साथ रहते हैं। अवधेश धरीक्षण हाई स्कूल मधोपुर में शिक्षक हैं। बताया जाता है कि अवधेश का पुत्र आशुतोष से काफी समय से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसे लेकर घर में आए दिन बहस हुआ करती थी।

छात्र की गला दबाकर हत्या

भागलपुर: कहलगांव के अंतीचक थाना क्षेत्र के मलकपुर गांव से पुलिस ने परशुरामचक गांव निवासी अरूण यादव के पुत्र सोनू कुमार यादव (22) का शव बरामद किया। सोनू की गला दबाकर हत्या कर शव को जगदीश शर्मा के घर के पीछे फेंक दिया गया था। सूचना पर एसडीपीओ रेशु कृष्णा पहुंची और घटना की छानबीन की। स्वजनों द्वारा मुकदमा के लिए थाने में आवेदन नहीं दिया गया था। सोनू इंटर का छात्र था।स्वजनों ने पुलिस को बताया कि सोनू नंदलालपुर के हेमजापुर बसकोला में अपनी बहन के यहां लौटकर सोमवार की रात घर आया था। रात में दरवाजे पर ही सो गया था। इसी बीच एक आदमी बुलाकर ले गया था। सुबह में नहीं देखने पर खोजबीन शुरू की। जानकारी मिली कि मलकपुर गांव में उसकी हत्या कर शव फेंक दिया गया है।

भारत में जून में दस्तक देगा मानसून

नई दिल्ली: इस साल देश में मानसून दस्तक कब देगा, इसके पूर्वानुमान की जानकारी मौसम विभाग आज देने वाला है। मौसम विभाग दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून - सितंबर) के लिए पहला चरण लॉन्ग रेंज फोरकास्ट वर्ष 2020 के लिए जानकारी जारी करेंगे। बता दें कि चार महीने का दक्षिण पश्चिम मानसून हर साल जून से सितंबर चार महीने हर साल केरल से शुरू होता है। देश में कोरोना के मामलों और लॉकडाउन के बीच इस पूर्वानुमान का बेहद महत्व माना जा रहा है। किसान तो हर साल अच्छे मानसून के इंतजार में रहते ही हैं। खबरों के अनुसार आज दोपहर मौसम विभाग ये पूर्वानुमान जारी करेगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून खरीफ की फसल जैसे मोटे अनाज, धान, दहलन और तिलहन के जरूरी होते हैं। ऐसे में किसानों को अच्छी बारिश से राहत मिल सकती है।खबरों के अनुसार मौसम विभाग से पहले ही एक निजी एजेंसी ने मानसून की भविष्यवाणी कर दी है। इसके अनुसार, इस साल मानसून सामान्य से ज्यादा होगा और जरूरत से ज्यादा बरसात होगी।

दिल्ली में 41 डिग्री के पार पहुंचा तापमान : वहीं इस बार अप्रैल में गर्मी भी नए रिकॉर्ड बना सकती है। मंगलवार को पहले पखवाड़े में ही देश की राजधानी दिल्ली का अधिकतम तापमान 41 डिग्री के पहुंच गया है। वहीं, गर्मी बढ़ने का यह दौर लगातार जारी रहने का अनुमान है। वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पाकिस्तान की ओर से आ रही गर्म हवा के कारण यह इसी माह 46 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। यह गर्म हवा दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत के करोड़ों के लिए आफत बनेगी।

देशभर में संक्रमित मरीजों की संख्या 11439 हुई, अब तक 377 की मौत

नई दिल्ली/एजेंसियां : वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से निपटने के लिए लॉकडाउन को तीन मई तक बढ़ा दिया गया है, लेकिन संक्रमितों और मृतकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 1076 नए मामले सामने आए और 38 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद देश में कोरोना वायरस पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 11,439 हो गई है। जिसमें 9756 सक्रिय हैं, 1306 स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और 377 लोगों की मौत हो गई है। आज गुजरात में 56, राजस्थान में 29 और मुंबई के धारावी में पांच नए मामले सामने आए हैं।

गुजरात में 56 नए मामले, दो की मौत : गुजरात स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में कोरोना पॉजिटिव के 56 नए मामले सामने आए हैं और दो की मौत हुई है। मरने वालों में से एक अहमदाबाद और दूसरा सूरत निवासी हैं। इसके बाद राज्य में कोरोना पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 699 हो गई है और अब तक 30 लोगों की मौत हुई है। पहले बताया गया था कि आज 52 नए मामले आए हैं।

मेघालय में पहली मौत : मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने बताया कि मेघालय में कोविड-19 से पहली मौत हुई है। यहां एक 69 वर्षीय डॉक्टर जो कोरोना से संक्रमित थे उनकी मौत हो गई।

चेन्नई का चेतपेट इलाका कोरोना हॉटस्पॉट घोषित : तमिलनाडु में चेन्नई के चेतपेट इलाके को कोरोना हॉटस्पॉट घोषित किया गया है। क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है। जिला प्रशासन द्वारा इस इलाके में पुलिस बल तैनात किए गए हैं।

राजस्थान में संक्रमितों की संख्या 1034 हुई : राजस्थान स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में आज 29 कोरोना वायरस पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। जिसमें से जयपुर में 15, जोधपुर में सात और कोटा में सात मामले शामिल हैं। इसी के साथ राज्य में कोरोना पॉजिटिव मामलों की संख्या 1034 हो गई है। ये आंकड़े आज सुबह नौ बजे तक के हैं।

मुंबई के धारावी में पांच नए मामले : बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अनुसार, धारावी में पांच नए कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसी के साथ धारावी में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की कुल संख्या 60 हो गई है। इसमें से अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। सभी नए मरीज धारावी के मुकुंद नगर इलाके से हैं, जिनमें तीन पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। धारावी एशिया का सबसे बड़ा झुग्गी-बस्ती क्षेत्र है।

मुंबई के एक अस्पताल के 10 और स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित : मुंबई के एक अस्पताल के 10 और स्वास्थ्यकर्मी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। यहां भर्ती तीन मरीजों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद इन्हें क्वारंटीन में रखा गया था। अब तक इस अस्पताल के 35 स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित पाए गए हैं। इन सभी का अस्पताल में ही इलाज चल रहा है।

विनय दुबे गिरफ्तार, आज कोर्ट में किया जाएगा पेश : विनय दुबे को औपचारिक रूप से मुंबई पुलिस ने आईपीसी की धारा 117, 153 ए, 188, 269, 270, 505 (2) और महामारी रोग अधिनियम की धारा तीन के तहत औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया है। उसे आज स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

देशभर में संक्रमित मरीजों की संख्या 11439 हुई : केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 38 मौतें हुई और 1076 नए मामले सामने आए। इसके बाद देश में कोरोना वायरस पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या 11,439 हो गई है। जिसमें 9756 सक्रिय हैं, 1306 स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और 377 लोगों की मौत हो गई है।

दिल्ली के 55 क्षेत्र कंटेनमेंट जोन्स घोषित : दिल्ली सरकार द्वारा कुल 55 क्षेत्रों को कंटेनमेंट जोन के रूप में चिन्हित किया गया है। यह दृश्य चिराग दिल्ली के जैन मोहल्ले का है जो उन कंटेनमेंट जोन्स में से एक है।

सर्कस के 50 लोगों ने मांगी मदद : पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हरोआ विधानसभा क्षेत्र में एक सर्कस कंपनी के करीब 50 लोग फंस कर रह गए हैं। सर्कस कंपनी के प्रबंधक आर घोष का कहना है कि वह लोग यहां एक मेले में आए थे। परंतु देश में लॉकडाउन की घोषणा होने के बाद से यहां फंसे हुए हैं। हम सरकार से मदद की गुजारिश करते हैं।

देश के पांच राज्यों के चमगादड़ों में मिला कोरोना वायरस

भारतीय वैज्ञानिकों ने किया खुलासा

नई दिल्ली/एजेंसियां : जानलेवा कोरोना वायरस के बारे में दुनियाभर में कयास था कि यह चमगादड़ों में पाया जाता है, लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों के अध्ययन में इसकी पुष्टि हुई है। देश के 10 में से पांच राज्यों के चमगादड़ों में वायरस मिला है। चमगादड़ों की दो प्रजातियों पर अध्ययन के बाद यह खुलासा हुआ। दोनों प्रजाति के 586 में से 25 चमगादड़ संक्रमित मिले। हालांकि यह दुनिया में अभी फैला नोबेल कोरोना वायरस नहीं है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का कहना है, पुणे की नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वॉयरोलॉजी (एनआईवी) लैब में तीन साल से चमगादड़ों पर अध्ययन चल रहा था। इसी बीच, वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस को लेकर भी चमगादड़ों के नमूनों की जांच शुरू की। गले व मलाशय सैंपल की जांच में कई चमगादड़ संक्रमित पाई गई।इनमें से

दो की आंत और गुर्दा भी संक्रमित मिले। कुछ ही समय पहले केरल में निपाह वायरस भी चमगादड़ों से आया था। इसीलिए नए संक्रमण का पता लगाने के लिए उन राज्यों में लगातार सर्विलांस जरूरी है, जहां चमगादड़ ज्यादा पाए जाते हैं।

इन राज्यों से लिए गए सैंपल : चमगादड़ों की एक प्रजाति के लिए केरल, चंडीगढ़, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात, ओडिशा, पुडुचेरी, तमिलनाडु और तेलंगाना से 508 नमूने लिए गए। दूसरी प्रजाति के 78 चमगादड़ों के नमूने केरल, कर्नाटक, चंडीगढ़, गुजरात, ओडिशा, पंजाब और तेलंगाना से लिए गए। इस दौरान 12 की मौत हो गई थी।

संक्रमण मनुष्य में कैसे पहुंचा.. शोध जारी : वैज्ञानिक डॉ. आर बाला सुब्रह्मण्यम का कहना है कि केरल के चमगादड़ों को अध्ययन में शामिल किया गया था। पुणे में इनकी टेस्टिंग के बाद कोरोना वायरस की पुष्टि हुई। कुछ समय पहले निपाह वायरस भी चमगादड़ों से ही आया था। पुणे स्थित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वॉयरोलॉजी की निदेशक डॉ. प्रिया अब्राहम के अनुसार हमारे अध्ययन में शामिल चमगादड़ों में से कुछ में कोरोना वायरस मिला है। हालांकि यह इंसानों तक कैसे पहुंचा? इस पर फिलहाल एक विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है।

लखनऊ में आज मिले 31 नए कोरोना पॉजिटिव, कई बच्चे भी संक्रमित

लखनऊ : देश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी कोरोना का प्रकोप लगातार बढ़ता ही जा रहा है। मंगलवार को लिए गए 806 नमूनों में से आज 45 कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जिनमें एक दिन में पहली बार लखनऊ में 31 मामले सामने आए हैं। वहीं, फिरोजाबाद में भी पांच लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। ऐसे में प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या 720 पहुंच गई है। मंगलवार को यूपी में तीन लोगों की कोरोना से मौत हुई। यूपी में अब तक 11 लोगों ने दम तोड़ दिया है। राजधानी लखनऊ में एक ही दिन में 31 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। इसमें ज्यादातर नजीराबाद और सदर इलाके के हैं। 13 अप्रैल को 80 और 14 अप्रैल को 160 सैंपल लिए गए थे। इसमें से ज्यादातर को स्वास्थ्य विभाग ने एकांतवास में रखा है। चिंता की बात यह है कि पॉजिटिव लोगों में 9 से लेकर 16 वर्ष के बच्चे भी शामिल हैं। राजधानी लखनऊ में बुधवार को 31 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। एक दिन में 31 लोगों की रिपोर्ट आने से हड़कंप मच गया है। इसमें ज्यादातर नजीराबाद और सदर इलाके के हैं। राजधानी लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में मंगलवार को परीक्षण किए गए 806 नमूनों में से आज 45 कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें 31 लखनऊ के, 13 आगरा और एक सीतापुर का शामिल है। कोरोना वायरस के संक्रमण ने यूपी में तीन लोगों की और जान ले ली है। यूपी में अब तक 11 संक्रमितों की मौत हो चुकी है। कानपुर में 55 वर्षीय कपड़ा कारोबारी की सोमवार को मौत हो गई थी। मंगलवार को उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। वह मलयेशिया से आई जमात के चमनगंज स्थित मस्जिद में संपर्क में आने से संक्रमित हुआ था। वहीं, संभल जिले से रेफर किए गए तमिलनाडु के 76 वर्षीय जमाती ने मुरादाबाद जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। आगरा में भी एक 57 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई।

बिहार के कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश, वज्रपात से दो की मौत

पटना : बिहार के कई जिलों में मंगलवार की रात अचानक तेज हवा के साथ हुई बारिश के साथ ही ओलावृष्टि से मौसम का मिजाज बदल गया है। एकतरफ किसान इस बदले मौसम के मिजाज से चिन्तित हैं तो वहीं मुंगेर जिले में वज्रपात से दो लोगों की मौत हो गई है।जानकारी के मुताबिक मुंगेर जिले के शामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अग्रहण गांव में श्राद्ध कर्म में भाग लेने आए दो युवक की वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अग्रहण गांव निवासी कपिल यादव की स्वाभाविक मृत्यु कुछ दिन पूर्व हुई थी। इनके श्राद्ध कर्म में मुंगेर जिले के सदर प्रखंड तौफिर टीकारामपुर गांव निवासी कौशल यादव (29) तथा बांका जिले के बंधुडीह गांव निवासी राकेश यादव (26) भाग लेने हेतु अग्रहण गांव आए हुए थे।इसी दौरान बुधवार को दोनों शौच करने हेतु नदी की ओर जा रहे थे कि वज्रपात के चपेट में आने से तौफिर टीकापुर निवासी कौशल यादव तथा बंधुडीह गांव निवासी राकेश यादव की खेत में ही मौत हो गई। इधर सूचना मिलने के बाद शामपुर थानाध्यक्ष पप्पन कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों मृतक के शव को अपने कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम हेतु मुंगेर भेज दिया है।बुधवार को भी पटना सहित कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम में आए इस बदलाव से किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग की ओर से पटना, सारण, वैशाली, समस्तीपुर और भागलपुर के लिए अगले तीन घंटे में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी पटना सहित कई जिलों में आज सुबह से आसमान में बादल छाये हुए हैं। मौसम विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के कई जिलों में बुधवार को मौसम में बदलाव दिखेगा, यहां आंधी-तूफान के साथ बारिश और ओले गिरने की भी संभावना है।

मामा-भांजा गैंग का उद्भेदन, पांच शूटर गिरफ्तार

पटना : पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र के मधनीटल में बाबा ज्वेलर्स के मालिक से जेल से रंगदारी मांगी गई थी। रंगदारी नहीं देने पर 13 मार्च को ज्वेलर्स मालिक की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में साजिश रचने और लाइनर सहित अन्य पांच को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन पांच शूटर सहित सात अपराधी फरार थे। पुलिस इनकी तलाश में जुटी थी। इस सिलसिले में पुलिस ने पांच शूटरों को गिरफ्तार करते हुए माम-भांजा गैंग का उद्भेदन किया है।मंगलवार को सूचना मिली कि हत्याकांड में शामिल पांचों शूटर अगमकुआं के ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रक चालकों से लूट की योजना बना रहे हैं। पुलिस ने जाल बिछाया और जैसे ही पांच शूटर ट्रांसपोर्ट नगर के पास पहुंचे, उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सभी ने बताया कि लॉकडाउन में उनके पास रुपए खत्म हो गए थे। इसकी वजह से सभी ट्रक चालकों से लूटपाट करने की फिराक में थे।गिरफ्तार शूटरों में बहादुरपुर का विनोद, चौक का नीरज चौधरी, मालसलामी का शिवशंकर कुमार उर्फ रेहांस और मनीष जायसवाल व अगमकुआं का अरविंद कुमार शामिल हैं। इनके पास से हत्या में इस्तेमाल दो पिस्टल, तीन बाइक और दो मैगजीन भी बरामद किया गया है।

स्पताल में जमाती मरीज ने महिला डॉक्टर को छेड़ा

विरोध पर भीड़ ने मारने को दौड़ा लिया

नई दिल्ली/एजेंसियां : दिल्ली और केंद्र सरकार की सख्ती के बावजूद स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति दुर्व्यवहार और मारपीट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला देश की राजधानी दिल्ली के लोकनायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल का है। यहां पर एक महिला डॉक्टर के साथ मरीज के परिजनों ने बदसलूकी के साथ छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार भी किया, जब वह मरीजों के इलाज में व्यस्त थीं। जब महिला साथी की मदद के लिए वहां मौजूद पुरुष डॉक्टर आए तो उनकी भी पिटाई की गई। दहशत का आलम यह था कि मदद के लिए आए पुरुष डॉक्टर ने ड्यूटी रूम में छिपकर किसी तरह अपनी जान बचाई। यह पूरा वाकया मंगलवार को अस्पताल के सर्जिकल वार्ड के अंदर हुआ। इस दौरान वहां पर इलाज के लिए भर्ती मरीज भी सहम गए।हैरानी की बात यह है कि इस दौरान उन्हें यह अहसास भी नहीं हुआ कि वह उसी डॉक्टर के साथ बदसलूकी कर रहे हैं, जो उनके जीवन की रक्षा के लिए 24 घंटे तत्पर रहता है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, इस दौरान वहां मौजूद एक पुरुष डॉक्टर साथी ने बदसलूकी की शिकार महिला डॉक्टर को बचाने की कोशिश की तो उनके साथ भी मरीज और परिजनों ने मारपीट की। इस दौरान मरीजों और परिजनों की हिंसक हरकत देखकर डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ जान बचाने के लिए ड्यूटी रूम में छिप गया और तुरंत सुरक्षाकर्मियों को बुलाया। फिलहाल मामला शांत है, लेकिन बार-बार समझाने के बावजूद मरीजों और परिजनों का व्यवहार हैरान-परेशान करने वाला है।वहीं, डॉक्टर पर जानलेवा हमले को लेकर लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल की रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए खत भी लिखा है। इस खत में मारपीट की घटना का पूरा विवरण दिया गया है। वहीं, पूरा प्रकरण सामने आने के बाद दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बयान दिया है कि यह हमले का नहीं,बल्कि बदसलूकी का वाकया है। इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। इलाज के बाद आरोपित को पुलिस को सौंप दिया जाएगा। इस मामले के बाद अस्पताल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पाकिस्तानी सेना ने राजौरी में की गोलीबारी

जम्मू : जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। बॉर्डर पर राजौरी में पाकिस्तान की तरफ से संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया है। पाकिस्तान की गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए हैं, जबकि एक मकान भी क्षतिग्रस्त हुआ है। राजौरी के मंजकोट में पाकिस्तान की सेना द्वारा भारी गोलीबारी की गई है। इस गोलीबारी में मंजकोट में रात को सोते हुए दो व्यक्ति घायल हो गए। इसके अलावा गोलाबारी में मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया है। हालांकि भारतीय सेना भी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। फिलहाल दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले कई दिनों से पाकिस्तान की तरफ से लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया जा रहा है। पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार को भी संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए गुलपुर सेक्टर में करीब चार घंटे गोलाबारी की। इस दौरान पाकिस्तान ने सेना की अग्रिम चौकियों के साथ ही रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर मोर्टार और यूनिवर्सल मशीनगन से गोलाबारी की।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रोकी डब्ल्यूएचओ की फंडिंग

नई दिल्ली/एजेंसियां : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के वित्त पोषण (फंडिंग) पर रोक लगाने की घोषणा के बाद संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरस ने कहा कि अभी डब्ल्यूएचओ के संसाधनों को कम करने का समय नहीं है क्योंकि यह संस्था अभी कोविड-19 महामारी से लड़ रही है।गौरतलब है कि ट्रंप ने मंगलवार को डब्ल्यूएचओ के फंडिंग पर रोक लगाने की घोषणा की और उस पर घातक कोरोना वायरस के प्रसार को कम करने को लेकर प्रबंधन में गंभीर गलती करने और जानकारी को छुपाने का आरोप लगाया है। ट्रंप प्रशासन ने डब्ल्यूएचओ पर चीन की तरफदारी करने का आरोप लगाया है। जिसकी वजह से अमेरिका की अर्थव्यवस्था में ठहराव आ गया है। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ह्वाजब तक कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने व इससे निपटने में गंभीर कुप्रबंधन और इसे छुपाने में संस्था की भूमिका का आकलन करने के लिए समीक्षा की जा रही है, तब तक मैं अपने प्रशासन को विश्व स्वास्थ्य संगठन के वित्त पोषण को रोकने का निर्देश दे रहा हूं। हर कोई जानता है कि वहां क्या हुआ है।

यह समय ठीक नहीं है:यूएन महासचिव : महामारी को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने डब्ल्यूएचओ के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि अब पीछे मुड़कर देखने का समय नहीं है और इस पर विचार करें कि इस संकट से

निकलने के लिए सभी लोगों को क्या करना चाहिए। गुटेरस ने मंगलवार को कहा, 'जैसा कि यह समय ठीक नहीं है, यह समय वायरस से निपटने में लगे विश्व स्वास्थ्य संगठन या किसी अन्य मानवीय संगठन के अभियानों के लिए संसाधनों को कम करने का भी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह समय एकजुटता का है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय इस वायरस और इसके विनाशकारी परिणामों को रोकने के लिए एकजुटता के साथ मिलकर काम करने का है। अमेरिका की जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार, चीन के हुबेई प्रांत के वुहान शहर में पहली बार उभरा कोरोना वायरस अब तक दुनियाभर के 19.7 लाख लोगों को संक्रमित कर चुका है और कम से कम 1,26,500 लोगों की जान ले चुका है। अकेले अमेरिका में 25,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

चीन की तरफदारी करने का लगाया आरोप : राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका के करदाता डब्ल्यूएचओ को सालाना यूएस डॉलर 400 (लगभग 30 अरब) से 500 मिलियन (लगभग 38 अरब) की राशि देते हैं। जबकि चीन मोटे तौर पर सालाना यूएस डॉलर 40 मिलियन (लगभग तीन अरब) या उससे भी कम राशि देता है। ट्रंप का कहना है कि कोरोना के प्रकोप में अपना कर्तव्य निभाने में डब्ल्यूएचओ पूरी तरह नाकाम हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन में जब यह वायरस फैला तो संयुक्त राष्ट्र की संस्था ने उसे छुपाने की कोशिश की और इसके लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह द्वारा स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, रांची से प्रकाशित कर मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सात्विक प्रोडक्सन प्राइवेट लिमिटेड, सिमलिया चौक दलादली, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची), संपादक-सचिन कुमार सिंह* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) फोन नं.- 0651-2290111, ईमेल- www.navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)